✳Website : www.kalamlok.com✳

वर्ष - 10 अंक - 138

कलम लोक

बक्सर, शनिवार 19 सितम्बर 2026

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

"यदि मनुष्य कुछ सीखना चाहे, तो उसकी प्रत्येक भूल कुछ न कुछ सिखा देती है।

राम मंदिर के पुजारियों के लिए नई नियमावली, तिलक और पंचकेशी अनिवार्य, मोबाइल पर भी पाबंदी

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या स्थित श्रीरामजन्मभूमि मंदिर में सेवा देने वाले अर्चकों के लिए नई नियमावली लागू कर दी गई है। रामलला समेत परिसर के अन्य मंदिरों में सेवा करने वाले अर्चकों को अब धर्म समिति की ओर से निर्धारित पीत वस्त्र पहनने होंगे। सेवाकाल में तिलक लगाना और पंचकेशी का पालन भी अनिवार्य किया गया है। गर्भगृह में मोबाइल फोन, पर्स समेत किसी भी निजी या बाहरी वस्तु को ले जाने पर रोक लगा दी गई है। नई व्यवस्था सभी अर्चकों को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

ड्यूटी में बातचीत और हास-परिहास से दूरी

अर्चकों को सेवाकाल में अनावश्यक बातचीत, समूह में चर्चा और हास-परिहास से दूर रहने को कहा गया है। मंदिर व्यवस्था, धर्मगुरु और आचार्यों के अलावा ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं या सुरक्षाकर्मियों से अनावश्यक संपर्क और बातचीत से भी बचने के निर्देश हैं। किसी असंतोष या असहयोग की स्थिति में आचार्य से मार्गदर्शन लेने को कहा गया है। सेवाकाल समाप्त होने पर पाली की लिखित समीक्षा देने का भी प्रावधान है।

धर्म समिति के सदस्य राजकुमार दास के मुताबिक अर्चकों के लिए निर्धारित पीत वस्त्र पहनना अनिवार्य होगा। मौसम के अनुसार वस्त्रों में बदलाव किया जा सकेगा। सेवाकाल में तिलक लगाना जरूरी होगा और पंचकेशी परंपरा का पालन करना होगा। बाल, दाढ़ी, मूंछ और शिखा से जुड़े नियमों का भी पालन करना होगा। अर्चक गर्भगृह में मोबाइल फोन, पर्स अथवा अन्य निजी सामान नहीं ले जा सकेंगे। मंदिर व्यवस्था की ओर से उपलब्ध कराए गए भोग-प्रसाद के अलावा बाहर की कोई सामग्री भी गर्भगृह में ले जाने की अनुमति नहीं होगी। निजी सामान रखने के लिए लॉकर की व्यवस्था की गई है।

नियम टूटने पर शुद्धिकरण की व्यवस्था

मंदिर की निर्धारित मर्यादा का उल्लंघन होने पर शुद्धिकरण की प्रक्रिया अपनाने का प्रावधान रखा गया है। नियमों के बार-बार उल्लंघन की स्थिति में कार्रवाई की जा सकती है। नई नियमावली का उद्देश्य पूजा-पद्धति, शुचिता और मंदिर की आंतरिक व्यवस्था में अनुशासन बनाए रखना है।

ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के फैसले को दी चुनौती

टीएमसी नाम और सिंबल का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी पार्टी के नाम और सिंबल फ्रीज करने के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। बता दें कि चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी को पार्टी का नाम और सिंबल, कुछ भी इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी है। आयोग ने कहा कि पश्चिम बंगाल में छह अक्टूबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस के ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले खेमे को 'फुटबॉल खिलाड़ी' जबकि अरूप रॉय गुट को 'लिफाफा' चुनाव चिह्न आवंटित किया गया है। वहीं, ममता बनर्जी ने कहा ने कहा है कि वह अंतरिम व्यवस्था को समझौते के तौर पर स्वीकार नहीं करेंगी और वह पार्टी की असली पहचान एवं चुनाव चिह्न वापस पाने के लिए संघर्ष करेंगी।

चुनाव आयोग ने ममता बनर्जी गुट को 'ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' और अरूप रॉय की अगुवाई वाले प्रतिद्वंद्वी गुट को 'डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस' नाम आवंटित किया। आयोग ने गुरुवार रात जारी अपने अंतरिम आदेश में 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' (एआईटीसी) को लेकर विवाद में शामिल दोनों पक्षों को निर्देश दिया था कि वे आगामी पश्चिम बंगाल उपचुनावों के लिए पार्टी के नाम और उसके 'जोड़ा घास फूल' चुनाव चिह्न का इस्तेमाल न करें। आयोग ने उनसे शुक्रवार सुबह तक अपनी पसंद के नाम और चुनाव चिह्न बताने को कहा था। आयोग ने कहा था कि प्रस्तावित नाम 'ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस' से मिलता-जुलता हो सकता है और चुनाव चिह्न निर्दलीय उम्मीदवारों एवं पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के लिए अधिसूचित खाली या उपलब्ध चुनाव चिह्नों की सूची में से चुना जाना चाहिए।

मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी में हिंदी दिवस की धूम, कविता पाठ प्रतियोगिता में छात्रों ने बिखेरा हुनर

मानू। हिंदी दिवस 2026 के अवसर पर मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) के हिंदी प्रकोष्ठ एवं शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी खूबसूरत काव्य प्रस्तुतियों से ऐसा समां बांधा कि पूरा वातावरण हिंदी साहित्य की मधुर भावनाओं से सराबोर हो उठा।

कार्यक्रम के समन्वयक प्रोफेसर अश्वनी ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। डॉक्टर शेख एहतेशामुद्दीन ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर विक्कारुन्निसा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम जरूरी हैं, क्योंकि इनसे विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा निखारने, आत्मविश्वास बढ़ाने और हिंदी भाषा एवं साहित्य से जुड़ने का अवसर मिलता है।

कविता पाठ प्रतियोगिता में छात्रों ने विभिन्न विषयों पर मनमोहक कविताएं प्रस्तुत कीं। उनकी भावपूर्ण आवाज, सुंदर उच्चारण और प्रभावशाली अभिव्यक्ति ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए और सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर डॉक्टर अशरफ नवाज, डॉक्टर मोहसिना अंजुम अंसारी, जहांगीर आलम सहित अन्य उपस्थित रहे।

हां, भारी मिस्टेक हुआ!

भरत तिवारी एनकाउंटर पर सीएम सम्राट चौधरी ने पुलिस की मानी चूक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा बयान देते हुए दो टूक कहा है कि उस मामले में पुलिस से गलती हुई थी। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने इस मामले में 48 घंटे के अंदर ही न्यायिक कमेटी बनाई थी, जिसकी रिपोर्ट में चूक की बात सामने आई है। यानी मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया कि इस मामले में पुलिस से चूक हुई थी। 'पंचायत आजतक बिहार 2026' के मंच पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर सरकार ने दोषी अफसरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की और इस मामले में कुछ लोगों को जेल भी भेजा गया।

एक सवाल के जवाब में घटना के बाद सरकार द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई और राज्य की कानून व्यवस्था पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार भरत तिवारी के परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयोग देने के साथ-साथ परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की गई है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि अपराधी चाहे किसी भी जाति, धर्म या वर्ग का हो, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने ये भी साफ किया कि उनके शासन काल में राज्य में पुलिस को काम करने की पूरी आजादी दी जाएगी, लेकिन पुलिस की गलती को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और चूक होने पर पुलिस के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब आगे की कानूनी कार्रवाई अदालत के स्तर पर होगी और दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। कानून-व्यवस्था पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में सुशासन तभी स्थापित होगा जब कानून का राज हो और अपराधियों को समय पर सजा मिले।

परीक्षा सुधार के लिए आंदोलन कर रहे छात्रों पर्च-47 चलाने से जुड़े सवाल पर सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार ऐसा पहला राज्य है, जिसने छात्रों की मांगों को देखते हुए हाई कोर्ट के सीटिंग जज की अध्यक्षता में कमेटी बनाई है। ताकि इस पूरे मामले का रिव्यू हो सके। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में जिस किसी ने भी गड़बड़ी की है, उस सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब भी कमेटी की रिपोर्ट आएगी उस पर कड़ी कार्रवाई होगी।

सम्राट चौधरी ने कहा कि जो भी गलत करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी. उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षा में गड़बड़ी करने वालों पर कड़ी कार्रवाई के लिए गुंडा एक्ट के प्रावधान का इस्तेमाल किया जा सकता है।

बंगाल उप चुनाव में बड़ा ट्विस्ट

ममता का समर्थन मिलते ही नंदीग्राम से कांग्रेस उम्मीदवार गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। नंदीग्राम उपचुनाव में एक के बाद ट्विस्ट आता जा रहा है। पहले ममता बनर्जी की पार्टी की उम्मीदवार ने नाम वापस ले लिया। वहीं, शाम होते-होते कांग्रेस उम्मीदवार को गिरफ्तार कर लिया गया। नंदीग्राम सीट पर मिलन प्रधान कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे थे। कांग्रेस का आरोप है कि यह कदम ममता बनर्जी द्वारा कांग्रेस उम्मीदवार को अपना समर्थन देने के कुछ ही समय बाद उठाया गया। बताया गया है कि मिलन प्रधान को गैर जमानती आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। बताया जाता है कि यह एक पुराना मामला है, जिसमें बंगाल पुलिस ने यह ऐक्शन लिया है।

बता दें कि कांग्रेस ने मिलन प्रधान को नंदीग्राम उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया है। लेकिन शुक्रवार को एक नाटकीय घटनाक्रम के तहत प्रधान की गिरफ्तारी की खबर आई। कांग्रेस का दावा है कि प्रधान के खिलाफ यह कार्रवाई, जमीन अधिग्रहण के खिलाफ 2007 में हुए एक आंदोलन में शामिल होने के होने के आरोप में की गई है। कांग्रेस के एक अन्य नेता शुभाषीष भट्टाचार्य को भी गिरफ्तार किया गया है। वह प्रधान को गिरफ्तार किए जाने का विरोध कर रहे थे। नंदीग्राम जमीन आंदोलन में प्रधान के खिलाफ 12 से अधिक केस हैं। उन्हें पूर्बा मेदिनीपुर जिला स्थित चांदीपुर के एक होटल से गिरफ्तार किया गया। कांग्रेस नेता ने यह जानकारी दी। उन्होंने आगे कहा कि यह कुछ नहीं, केवल भाजपा का गंदा खेल है।

बिहार बाढ़ राहत के लिए बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने दान कर दी 3 महीने की सैलरी

पटना (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन बिहार में बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए आगे आए हैं। उन्होंने राज्यसभा सांसद के रूप में मिलने वाली अपनी तीन महीने की सैलरी को बाढ़ पीड़ितों के लिए दान करने का ऐलान किया है। नितिन ने लगभग 6.35 लाख रुपये सीएम रिलीफ फंड में भेजे हैं। उन्होंने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। बता दें कि बिहार में बाढ़ से 50 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं।

नितिन नवीन मूलरूप से पटना के रहने वाले हैं और वह अभी बिहार से राज्यसभा सांसद हैं और राज्य सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं। उन्होंने दावा किया कि बिहार में बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। बाढ़ पीड़ितों तक समय पर राहत और आवश्यक सहायता पहुंचाने के लिए सरकार पूरी तत्परता से काम कर रही है। सोशल मीडिया पोस्ट में नितिन नवीन ने कहा कि राज्यसभा सांसद के रूप में वह अपने तीन महीने के वेतन की राशि 635000 रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष में अंशदान कर रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा बाढ़ से प्रभावित हर परिवार को 7-7 हजार रुपये दे रही है। अब तक कुल 550 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता बाढ़ पीड़ितों को दी जा चुकी है। इसके अलावा राहत शिविर, कम्युनिटी किचन, चिकित्सा सुविधाओं और पशु चारे की व्यवस्था बाढ़ प्रभावित इलाकों में की जा रही है। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। किसानों की फसल क्षति का आकलन कर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी जारी है।

बिहार भाजपा ने भी दान किए 51 लाख रुपये : बिहार प्रदेश भाजपा की ओर से भी 51 लाख रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा किए गए हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात कर उन्हें 51 लाख रुपये का चेक सौंपा। यह राशि बाढ़ पीड़ितों के राहत एवं बचाव कार्य के लिए दी गई है।

शिवराज ने किया सर्वे, केंद्र से मिलेगी मदद

दो दिन पहले ही केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह के नेतृत्व में दिल्ली से एक टीम ने बिहार आकर बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। शिवराज ने कहा था कि केंद्र सरकार बिहार की भरपूर मदद करेगी। बाढ़ का पानी उतरने के बाद नुकसान का सही से आकलन किया जाएगा। केंद्र से एक और टीम भी बिहार आएगी।

50 लाख लोग बाढ़ की चपेट में

बिहार में गंगा, गंडक, कोसी, सोन समेत अन्य प्रमुख नदियों के उफान से बिहार के तटीय इलाकों में बाढ़ ने जमकर कहर बरपाया। अब तक 15 से अधिक जिलों की लगभग 50 लाख की आबादी बाढ़ की चपेट में आ चुकी है। कई लोगों को अपने घरों को छोड़ दूसरी जगह पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा। किसी ने अपने खेत-खलिहान तो किसी ने अपने घर-दुकान बाढ़ में खो दिए।

थलपति विजय ने दिया बड़ा तोहफा

सरकारी अस्पताल में बच्चे के जन्म पर मिलेगी सोने की अंगूठी

कोलकाता (एजेंसी)।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय 28 सितंबर को सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात बच्चों को एक ग्राम सोने की अंगूठी देने वाली योजना शुरू करेंगे। 'थाईमामन थंगा मोथिरम' नाम की इस योजना के तहत 22 जून से सरकारी अस्पतालों में जन्मे बच्चे भी लाभ के पात्र होंगे।

ऐसे बच्चों को योजना का लाभ पहले की तारीख से दिया जाएगा। हालांकि, चुनाव आयोग के सूत्रों का कहना है कि मदुरांतकम और धारापुरम विधानसभा सीटों पर इस योजना को लागू करने की इजाजत राज्य सरकार को नहीं मिली है। इन दोनों सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव होना है।

राज्य सरकार के मुताबिक इस योजना का मकसद सरकारी अस्पतालों में प्रसव को बढ़ावा देना, सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर लोगों का भरोसा मजबूत करना और नवजात के जन्म पर मामा की ओर से सोना देने की तमिल परंपरा को आगे बढ़ाना है। तमिलनाडु में हर साल करीब 7.8 लाख बच्चों का जन्म होता है।

इनमें करीब 99.9 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में होते हैं, जबकि लगभग 4.2 लाख यानी 53 प्रतिशत प्रसव सरकारी अस्पतालों में होते हैं। योजना का लाभ उन नवजात बच्चों को मिलेगा, जिनकी माताएं तमिलनाडु की स्थायी निवासी हैं और जिनका पंजीकरण पीआईसीएमई में RCH पहचान संख्या के साथ है।

शाहरुख, अजय और टाइगर को लेकर तुकाराम मुंढे बोले- होंगे वो स्टार, मेरे लिए तो वो कानून तोड़ने वाले हैं

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन के कमिश्नर तुकाराम मुंढे इन दिनों काफी चर्चा में हैं। वह महाराष्ट्र में फूड सेफ्टी पर फोकस कर रहे हैं। अब तुकाराम ने शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को विमल इलायची के ऐड को लेकर जारी किए गए शो-कॉज नोटिस के बारे में बात की है।

तुकाराम ने एक्टर्स को कानून तोड़ने वाला कहा और बताया कि FDA ने एक एक्टर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है जिन्होंने नोटिस का कोई जवाब नहीं दिया है। मुंडे ने कहा, आपके मुताबिक वो स्टार्स होंगे, लेकिन मेरे लिए वे वो हैं जिन्होंने इसका विज्ञापन किया है। मैं उन्हें कानून तोड़ने वालों के तौर पर देखता हूं और कानून अपना काम करेगा। यही वजह है कि हमने कार्रवाई शुरू कर दी है। हमने यह कार्रवाई कानून के अनुसार की है।

तुकाराम ने ये क्लीयर किया है कि तीनों एक्टर्स में से एक ने नोटिस का जवाब नहीं दिया और उनके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या शाहरुख खान ने जवाब दिया है नोटिस का तो इस पर उन्होंने कहा, मुझे अच्छे से याद नहीं... क्योंकि ये मामला असिस्टेंट कमिश्नर के पास है। शायद उन्होंने जवाब नहीं दिया है, लेकिन मैं श्योर नहीं। खैर तुकाराम ने ये क्लीयर किया कि दोनों एक्टर्स ने जवाब दिया है, उनके जवाब को सुना जाएगा।

तुकाराम ने इस बात पर भी असहमति जताई कि जिम्मेदारी मैन्युफैक्चरर की होती है, न कि एंडोर्सर की। उन्होंने फूड सेफ्टी एक्ट के तहत विज्ञापन से जुड़े नियमों को लेकर कहा कि प्रोडक्ट का ऐड करने वाला इंसान या संस्था भी उसके जिम्मेदार होते हैं। तुकाराम का कहना है कि एडवरटाइजर्स की यह जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वे जिस चीज का ऐड करते हैं, उसके बारे में अच्छी तरह से जांच हो। बता दें कि एफडीए ने 11 अगस्त को तीनों एक्टर्स के खिलाफ नोटिल जारी किया था। इस नोटिस का उन्होंने तीनों एक्टर्स से 15 दिन में जवाब मांगा था।

सीएम सम्राट चौधरी ने जलाया 'आशीर्वाद का दीया', आयोजन पर सीजेपी और आरजेडी टूट पड़ीं

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। मरीन ड्राइव, पाटलिपुत्रा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, मुख्यमंत्री आवास, बीजेपी कार्यालय समेत कई स्थानों पर धूमधाम से हजारों दीप जलाए गए और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सीएम सम्राट चौधरी ने लोकसेवक आवास में आशीर्वाद की दीया जलाया और अन्य स्थानों पर कार्यक्रम में भाग लिया। इस पर सियासत सुलग गई। कॉक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने इस आयोजन पर तीखी प्रतिक्रिया दी। दूसरी ओर राजद की मीडिया पैललिस्ट प्रियंका भारती ने भी सोशल मीडिया पर वीडियो और फोटो शेयर करके तंज कसा।

सीजेपी के प्रमुख नेता सौरव दास ने न्यूज एजेंसी का एक वीडियो पोस्ट एक्स हैंडल पर शेयर किया जिसमें सीएम सम्राट चौधरी दीपोत्सव कार्यक्रम में भाग लेते दिख रहे हैं। सौरव दास ने शेयर करते हुए अंग्रेजी में लिखा- Buffoonery pro max! इसका हिन्दी में अर्थ होता है- बेवकूफी की हद है। यह वीडियो पटना के मरीन ड्राइव का है जहां प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर आयोजित आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में हजारों दिए जलाए गए।

इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी समेत कई मंत्रिमंडल सहयोगी और पदाधिकारी समेत सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे। भारी तामझाम के साथ मुख्यमंत्री ने घूम-घूमकर दीपोत्सव का निरीक्षण किया और वहां मौजूद लोगों लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। सीएम ने सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी भाग लिया।

आरजेडी का तीखा वार

इस आयोजन पर आरजेडी की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया आई। पार्टी की राष्ट्रीय मीडिया पैनलिस्ट प्रियंका भारती ने सीएम के वीडियो को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया और अश्लीलता शब्द का प्रयोग किया। प्रियंका भारती ने लिखा, 'ये विशुद्ध अश्लीलता है! बिहार बाढ़ से पीड़ित है, कई जाने चली गई है मगर एक आत्ममुग्ध बूढ़े के जन्मदिन पर करोड़ों के दिये बहा दिये गए! मोदी जी शर्म भी नहीं आती?'

जबरदस्ती का हैप्पी बर्थडे

आरजेडी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने इसे जबरदस्ती का हैप्पी बर्थडे करार दिया। आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर सरकारी आदेश निकालकर दीये जलवाए गए। स्कूल के शिक्षकों को आदेश जारी करके शाम में दीया जलाने की ड्यूटी दी गई। ऐसा पहली बार हुआ है जब पीएम का जन्मदिन मनाने के लिए सरकार तंत्र को लगाया गया और जबरन दीए जलवाए गए। यह भी कहा कि इस पर सरकारी खजाने से 100 करोड़ रुपए खर्च किए गए। अफसरों को दीया जलवाने की जिम्मेदारी दी गई। महागठबंधन की सहयोगी भाकपा माले ने इस आयोजन पर सवाल खड़ा किया। प्रदेश सचिव कुणाल ने कहा कि बिहार बाढ़ में डूबा हुआ है और आशीर्वाद के दीये जलाए जा रहे हैं। यह उत्सव शर्मनाक है।

दिशा सालियान केस की जांच से क्या खुलेगा सुशांत सिंह राजपूत की मौत का राज?

पूर्णिया के मलडीहा गांव में परिजनों और ग्रामीणों को जांच से उम्मीद, सुशांत की मौत को लेकर ग्रामीणों ने हत्या का आरोप दोहराया

पूर्णिया (संवाददाता)। दिवंगत बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत की जांच सीबीआई द्वारा शुरू किए जाने के बाद अभिनेता के पैतृक गांव मलडीहा में एक बार फिर उनकी मौत की गुत्थी सुलझने की उम्मीद जगी है। पूर्णिया जिले के बीकोठी प्रखंड स्थित मलडीहा गांव के लोगों का कहना है कि दिशा सालियान की मौत की जांच आगे बढ़ने से सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े सवालों का भी जवाब मिल सकता है। ग्रामीणों और सुशांत के समर्थकों ने एक बार फिर अभिनेता की मौत की परिस्थितियों को लेकर अपनी बात रखी है।

मलडीहा गांव के ग्रामीणों का कहना है कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत को छह साल बीत चुके हैं, लेकिन उनके मन में आज भी कई सवाल हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सुशांत ने आत्महत्या नहीं की थी, बल्कि उनकी हत्या की गई थी। हालांकि, यह ग्रामीणों का आरोप है और इसे स्थापित तथ्य के रूप में नहीं कहा जा सकता। अब दिशा सालियान की मौत की जांच दोबारा शुरू होने की खबर के बाद गांव के लोगों में इस मामले को लेकर फिर चर्चा तेज हो गई है। दिशा सालियान की मौत और सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बीच समय का अंतर भी इस मामले में लगातार चर्चा का विषय रहा है। दिशा सालियान की मौत के कुछ दिन बाद ही 14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत मुंबई के बांद्रा स्थित अपने घर में मृत पाए गए थे। दिशा उनकी पूर्व मैनेजर थीं। अब दिशा सालियान की मौत से जुड़े मामले की जांच सीबीआई द्वारा शुरू किए जाने के बाद सुशांत के परिजन, रिश्तेदार और समर्थक भी इस घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं।

मलडीहा गांव के लोगों का कहना है कि दिशा की मौत के बाद सुशांत कुछ महत्वपूर्ण खुलासा करने वाले थे। ग्रामीणों का आरोप है कि इससे पहले ही उनकी मौत हो गई। इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों के मुताबिक, इसी वजह से दिशा सालियान की मौत की जांच को वे सुशांत की मौत से जुड़े सवालों के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण मान रहे हैं। सुशांत सिंह राजपूत का पैतृक गांव पूर्णिया जिले के बीकोठी प्रखंड में स्थित मलडीहा है। अभिनेता की मुंबई में मौत से कुछ दिन पहले उनके गांव आने की बात भी ग्रामीणों ने बताई। ग्रामीणों के अनुसार, सुशांत गांव आए थे और उन्होंने अपने परिजनों से मुलाकात की थी। उन्होंने बचपन के दोस्तों के साथ गांव में क्रिकेट भी खेला था।

ग्रामीणों ने कहा- कोर्ट के आदेश से जगी उम्मीद

ग्रामीण सागर सिंह और प्रदीप कुमार ने दिशा सालियान मामले की जांच से जुड़ी कार्रवाई को उम्मीद की एक किरण बताया। उनका कहना है कि सुशांत सिंह राजपूत के गांव आने की यादें आज भी लोगों के बीच मौजूद हैं। ग्रामीणों के अनुसार, अभिनेता की मौत की खबर ने उन्हें गहरा आघात पहुंचाया था और छह साल बाद भी यह मामला उनके लिए भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि सुशांत सिंह राजपूत देशभर में लोकप्रिय अभिनेता थे और अपने गांव के लोगों से उनका जुड़ाव बना हुआ था। उनके गांव आने के दौरान स्थानीय लोगों में उत्साह का माहौल था। ग्रामीणों के मुताबिक, अभिनेता की अचानक मौत की खबर ने उस खुशी को शोक में बदल दिया था।

चचेरे भाई ने भी जांच को बताया महत्वपूर्ण

सुशांत सिंह राजपूत के चचेरे भाई पन्ना कुमार सिंह ने भी दिशा सालियान मामले की जांच के आदेश को उचित बताया। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिशा सालियान की मौत की जांच से इस पूरे घटनाक्रम से जुड़े सवालों के जवाब सामने आ सकते हैं। उनका कहना है कि यदि जांच के दौरान कोई महत्वपूर्ण तथ्य सामने आता है तो उससे सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े सवालों की भी पड़ताल आगे बढ़ सकती है।

ग्रामीणों के मुताबिक, सुशांत के गांव आने से उस समय मलडीहा में खुशी का माहौल था। उन्होंने गांव के स्कूल, बगीचे और अन्य जगहों का भी दौरा किया था। बचपन के दोस्तों और ग्रामीणों से मुलाकात के दौरान लोगों ने उनके साथ समय बिताया था। ग्रामीणों का कहना है कि गांव से उनके मुंबई लौटने के कुछ ही समय बाद अभिनेता की मौत की खबर सामने आई, जिससे पूरे गांव में सदमा फैल गया था।

दिशा सालियान की मौत की जांच शुरू होने के बाद सुशांत के पैतृक गांव में एक बार फिर अभिनेता की मौत को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि वे लंबे समय से इस मामले में स्पष्टता चाहते हैं। हालांकि, जांच के परिणाम सामने आने तक किसी भी आरोप या दावे को अंतिम निष्कर्ष के रूप में नहीं देखा जा सकता।

छह साल पहले सुशांत सिंह राजपूत की मौत की खबर ने उनके परिवार, दोस्तों, प्रशंसकों और उनके पैतृक गांव के लोगों को झकझोर दिया था। अब दिशा सालियान मामले में जांच आगे बढ़ने के बाद मलडीहा गांव के लोगों की नजर भी जांच की प्रगति पर है। ग्रामीणों और परिजनों को उम्मीद है कि जांच से सामने आने वाले तथ्य कई अनसुलझे सवालों का जवाब दे सकते हैं।

दिशा सालियान की मौत की जांच और सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बीच संबंध को लेकर ग्रामीणों ने अपनी आशंकाएं और आरोप व्यक्त किए हैं। इन दावों की पुष्टि जांच के आधिकारिक निष्कर्षों से ही हो सकेगी। फिलहाल मलडीहा गांव में सुशांत के परिजन, रिश्तेदार और ग्रामीण जांच से सामने आने वाले तथ्यों का इंतजार कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बेगूसराय में तेज रफ्तार बाइक की ठोकर से 70 वर्षीय महिला की मौत

बेगूसराय (संवाददाता)। डंडारी थाना क्षेत्र के प्रतारपुर गांव के पास तेज रफ्तार बाइक की ठोकर से 70 वर्षीय गायत्री देवी की मौत हो गई। हादसे के समय वह पूजा के बाद प्रसाद बांट रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें ठोकर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं और उनकी मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिजन भी मौके पर पहुंचे। घटना से परिवार में मातम पसरा हुआ है। गायत्री देवी की मौत से गांव में भी शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने घटना पर दुख जताया और तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही को लेकर चिंता व्यक्त की। हादसे के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना ने गांव के लोगों को भी झकझोर कर रख दिया है। हादसे की खबर फैलते ही आसपास के लोग भी घटनास्थल पर पहुंचने लगे। स्थानीय लोगों ने मृतका के परिवार के प्रति संवेदना जताई। गायत्री देवी की मौत से परिवार और ग्रामीणों में गहरा दुख है।

बड़हरिया में मारपीट में घायल युवक की मौत, गिरफ्तारी की मांग पर अड़े परिजन

सीवान (संवाददाता)। बड़हरिया थाना क्षेत्र में मारपीट की घटना में घायल युवक की मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन युवक की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े हुए हैं। बताया गया कि मारपीट की घटना में युवक घायल हो गया था, जिसके बाद उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिवार में मातम पसर गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। परिजनों का कहना है कि युवक की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। परिवार के लोग आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक अपनी मांग पर कायम हैं। घटना के बाद इलाके में भी शोक का माहौल है।

साइबर कैफे में चाकूबाजी, गिरफ्तारी की मांग पर सड़क जाम

सीवान (संवाददाता)। लकड़ी नवीगंज स्थित एक साइबर कैफे में चाकूबाजी की घटना के बाद हंगामा हो गया। घटना के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर लोगों ने सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम होने से मौके पर अफरातफरी की स्थिति बन गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय लोग भी मौके पर जुट गए। लोगों ने चाकूबाजी की घटना में शामिल आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। सड़क जाम के कारण आवागमन प्रभावित हुआ। घटना को लेकर इलाके में तनाव का माहौल बना रहा। लोगों की मांग है कि मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। घटना के बाद स्थानीय स्तर पर लोगों में नाराजगी देखी गई।

भोजपुर में पीएम के जन्मदिन पर दीपोत्सव, आरा-छपरा पुल पर जले 11 हजार दीप

भोजपुर (संवाददाता)। पीएम के जन्मदिन के अवसर पर जिलाध्यक्ष दुर्गा राज के नेतृत्व में आशीर्वाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बड़हरा विधायक राघवेन्द्र प्रसाद सिंह के नेतृत्व में बबुरा के पास आरा-छपरा पुल पर 11 हजार दीप जलाए गए। दीपोत्सव के दौरान पुल रोशनी से जगमगा उठा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और दीप जलाकर आयोजन में भाग लिया। आरा-छपरा पुल पर एक साथ 11 हजार दीप जलाए जाने से वहां का नजारा आकर्षक दिखाई दिया। आयोजन को लेकर कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह देखा गया। कार्यक्रम के दौरान लोगों ने दीप जलाकर पीएम के जन्मदिन पर अपनी भागीदारी दर्ज कराई। बबुरा के पास आयोजित इस दीपोत्सव को लेकर स्थानीय स्तर पर भी लोगों में उत्साह रहा। आयोजन के बाद आरा-छपरा पुल पर दीपों की रोशनी से माहौल उत्सवी नजर आया।

वैशाली में भूमि विवाद हत्याकांड के 4 फरार आरोपियों के घर कुर्की-जब्ती

वैशाली (संवाददाता)। सदर थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर में भूमि विवाद में आमोद राम की हत्या के मामले में पुलिस ने चार फरार आरोपियों के घर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान एसडीपीओ गोपाल मंडल के नेतृत्व में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस टीम ने फरार आरोपियों के घर पहुंचकर कुर्की-जब्ती की कार्रवाई शुरू की। इस दौरान घर पर मौजूद सामान और अन्य संपत्तियों को कार्रवाई के तहत जब्त किया गया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ भी जुटी रही। हत्या के मामले में चार आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस की ओर से फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई की जा रही है। कुर्की-जब्ती की कार्रवाई के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे। भूमि विवाद से जुड़े इस हत्याकांड के बाद पुलिस मामले में फरार आरोपियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है।

अतिक्रमण हटाओ अभियान, रमेश चौक से बायपास तक ठेला-गुमटी जब्त

औरंगाबाद (संवाददाता)। रमेश चौक से बायपास तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अभियान एसडीओ के नेतृत्व में चलाया गया, जिसके दौरान सड़क किनारे लगाए गए ठेला-गुमटी को जब्त किया गया। कार्रवाई के दौरान प्रशासन की टीम ने सड़क और आसपास के हिस्सों से अतिक्रमण हटाया। अभियान के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ भी जुटी रही। प्रशासन की कार्रवाई से सड़क किनारे अतिक्रमण करने वालों में हड़कंप की स्थिति रही। रमेश चौक से बायपास तक चलाए गए अभियान के दौरान टीम ने कई स्थानों पर कार्रवाई की। अधिकारियों की मौजूदगी में ठेला-गुमटी जब्त की गई।

भिंड में भैंस निकालने नदी में उतरा युवक तेज बहाव में बहा, 20 घंटे से तलाश जारी

भिंड (संवाददाता)। पांडरी गांव में 35 वर्षीय कंछेद उर्फ वऊआ राजावत भैंस निकालने के लिए कुंवारी नदी में उतरे थे। इसी दौरान नदी के तेज बहाव में वह बह गए। घटना के बाद उनकी तलाश शुरू की गई। 20 घंटे से अधिक समय से एसडीआरएफ की टीम नदी में कंछेद उर्फ वऊआ राजावत की तलाश कर रही है। नदी में तेज बहाव होने के कारण खोज अभियान में चुनौती बनी हुई है। एसडीआरएफ की टीम लगातार नदी और आसपास के संभावित स्थानों पर तलाश कर रही है। युवक के नदी में बहने की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी चिंतित हैं। परिवार के लोग लगातार उसके मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

आशिक ने रची अपनी हत्या की झूठी कहानी

प्रेमिका को लेकर फरार युवक 3 साल बाद गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर (संवाददाता)। बिहार के गोपालगंज के एक युवक ने प्रेमिका के साथ फरार होने के बाद अपहरण केस से बचने के लिए अपनी हत्या की झूठी कहानी रच दी। तीन साल की खोजबीन के बात गोपालगंज के मृत बताए गए युवक को मुजफ्फरपुर पुलिस ने जीवित गिरफ्तार कर लिया है। देवरिया थाना में 2023 में गोपालगंज के सोनू श्रीवास्तव की हत्या कर शव गायब करने का केस दर्ज हुआ था। इस खुलासे के बाद हर कोई हैरान है। इस साजिश में युवक का भाई भी शामिल है। पुलिस उसकी भी तलाश कर रही है ताकि उसकी भूमिका उजागर हो सके।

जानकारी के मुताबिक 2023 में सोनू थावे की अपनी प्रेमिका को लेकर भाग गया था। इसके बाद प्रेमिका की मां ने उसके खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कराया था। अपहरण के केस से बचने के लिए सोनू और उसके भाई ने हत्या की झूठी कहानी गढ़ दी थी। परिजनों ने पुलिस को बताया था कि सोनू की हत्या कर दी गयी है और उसके शव को गायब कर दिया गया है। पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाकर सोनू को दूसरे राज्य में भगा दिया गया।

इस पर देवरिया थाने में हत्या का केस दर्ज किया गया। पुलिस तीन साल तक सोनू को तलाशती रही। मुजफ्फरपुर पुलिस को सूचना मिली कि मृत घोषित सोनू जीवित है और दूसरे राज्य में रह रहा है। इसके बाद देवरिया थाने की पुलिस ने टीम बनाकर छापेमारी की और सोनू को जीवित पकड़ लिया। पूछताछ में सोनू ने बताया कि प्रेमिका के अपहरण के केस से बचने के लिए उसने और उसके भाई ने मिलकर उसकी हत्या की झूठी कहानी बनाई थी। वह पिछले तीन साल से अलग-अलग जगहों पर छिपकर रह रहा था। फिलहाल देवरिया थाने की पुलिस सोनू को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा और न्यायालय के आदेश के आधार पुलिस अब उसके भाई की भूमिका की भी जांच कर रही है, जिसने हत्या की झूठी कहानी गढ़ने में उसका साथ दिया था। खुलासे के बाद पुलिस भी हैरान रह गई।

मुजफ्फरपुर में मजदूर की बेरहमी से हत्या, दोनों आंखों पर गहरे जख्म; पत्नी और दो बच्चे लापता

मुजफ्फरपुर (संवाददाता)। अहियापुर थाना क्षेत्र के बैरिया चाणक्यपुरी रोड नंबर-6 मोहल्ले में किराये के मकान में एक मजदूर की हत्या का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान मीनापुर थाना क्षेत्र के राघोपुर मुस्तफापुर निवासी उपेंद्र पासवान (35) के रूप में हुई है। शुक्रवार सुबह दूध देने पहुंचे ग्वाले ने कमरे में खून से लथपथ शव देखा, जिसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। हत्या के बाद से उपेंद्र की पत्नी और उसके दो बच्चे गायब हैं। उपेंद्र मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता था।

सूचना मिलने के बाद अहियापुर थानेदार शरत कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल की जांच करने के साथ मकान मालिक से भी घटना के संबंध में जानकारी ली। कमरे के अंदर उपेंद्र पासवान का शव जमीन पर पड़ा मिला। पुलिस को कमरे में साड़ी से बंधा हुआ एक फंदा भी मिला है। फंदा किस परिस्थिति में लगाया गया था, पुलिस इसकी जांच कर रही है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल पर एफएसएल की टीम को बुलाया गया। वैज्ञानिकों की टीम ने करीब दो घंटे तक कमरे की बारीकी से जांच की और अलग-अलग साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हत्या से पहले और बाद में कमरे में क्या हुआ था तथा वारदात में कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं। घटना के बाद से उपेंद्र की पत्नी और उसके दो बच्चे लापता हैं। दोनों बच्चों की उम्र 6 और 10 साल बताई गई है। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। साथ ही मृतक के मोबाइल फोन का भी पता लगाया जा रहा है। पुलिस को उम्मीद है कि मोबाइल से घटना से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं। मकान मालिक सेवानिवृत्त सूबेदार शिवशंकर सिंह के अनुसार उपेंद्र पासवान करीब ढाई महीने पहले ही यहां किराये पर रहने आया था। ग्राउंड फ्लोर पर बने एस्बेस्टस के कमरे में वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहता था। मकान मालिक ने बताया कि पति-पत्नी के बीच कभी-कभी अनबन होती थी, लेकिन इस संबंध में उनके पास पहले कोई शिकायत नहीं आई थी।

दोनों आंखों पर मिले गहरे जख्म

पुलिस के अनुसार उपेंद्र की दोनों आंखों पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं। शुरुआती जांच में किसी नुकीली वस्तु से चोट पहुंचाए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि हत्या किस तरह और किस हथियार से की गई, इसका स्पष्ट पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा।

हर पहलू से जांच कर रही पुलिस

अहियापुर थानेदार शरत कुमार ने बताया कि किराये के मकान में मजदूर का शव मिला है। मृतक की पत्नी और बच्चे फिलहाल गायब हैं। एफएसएल की टीम ने घटनास्थल की जांच कर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है और पत्नी तथा दोनों बच्चों की तलाश के साथ घटना से जुड़े अन्य सुरागों को भी खंगाला जा रहा है।

विश्वकर्मा पूजा पर मर्डर

पानी के छींटे पड़ जाने पर बहाया खून, चाकू गोद पिता की हत्या, बेटा जख्मी

पटना (संवाददाता)। बिहार की राजधानी पटना के पटना सिटी इलाके में विश्वकर्मा पर पानी का छींटा पड़ जाने पर खूनी खेल को अंजाम दिया गया है। गुरुवार की रात गाड़ी धोने के दो परोसियों के बीच विवाद में चाकूबाजी हो गई जिसमें पिता और पुत्र जख्मी हो गए। थोड़ी देर बाद पिता की मौत हो गई वहीं घायल पुत्र का इलाज कराया जा रहा है। घटना मेंहदीगंज थाना क्षेत्र के दीपनग मोहल्ले की है। पुलिस ने आरोपी बाप बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। घायल युवक की स्थिति ठीक नहीं है। पुलिस की गश्ति इलाके में तेज कर दी गई है।

मेंहदीगंज थाना इलाके का दीपनगर इलाका गुरुवार की देर शाम हिंसक वारदात से दहल उठा। जानकारी के मुताबिक राजू महतो का बेटा अभिषेक अपनी बाइक की धुलाई कर रहा था। तभी पानी का छींटा पड़ोस में रहने वाले साहिल कुमार पर पड़ गया। पानी पड़ने का विवाद इतना बढ़ा कि चाकू निकल गया। अभिषेक ने चाकू निकाल लिया। उसने साहिल पर चाकू से वार कर दिया। बेटे को बचाने आए उसके पिता दीपू कुमार, 45 वर्ष को भी चाकू लग गया। गंभीर स्थिति में दोनों को नालंदा मेडिकल कॉलेज के अस्पताल में ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने दीपू कुमार(पिता) को मृत घोषित कर दिया। दीपू कुमार के सीने और पेट में चाकू मारे गए थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अभिषेक कुमार के साथ उसके पिता राजू महतो को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में मेंहदीगंज पुलिस की ओर से बताया गया है कि त्वरित कार्रवाई की जा रही है। बताया जा रहा है कि दोनों पड़ोसियों के बीच गाड़ी की धुलाई के दौरान पानी की छींटा पड़ने पर विवाद शुरू हुआ जो खूनी वारदात में बदल गया। आरोपी पिता और पुत्र को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक घायल का इलाज अभी चल रहा है। इलाके में तनाव की आशंका के मद्देनजर पुलिस की गतिविधियां बढ़ा दी गई हैं। घायल के बयान लेने की कोशिश की जा रही है। केस दर्ज करके आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अपने स्तर से छानबीन करके सच्चाई की पता लगा रही है। स्थानीय लोगों ने आरोपियों को कठोर सजा दिलाने की मांग की है।

बीच सड़क पर मची शराब की लूट, पलटे ट्रक से बोतलें लेकर भागने लगे ग्रामीण

दरभंगा (संवाददाता)। बिहार में शराबबंदी की एक बार फिर पोल खुल गई। शराब लेकर जा रहा एक ट्रक बीच सड़क पर पलट गया। जैसे ही लोगों को ट्रक में शराब लदी होने की जानकारी मिली कि भारी भीड़ जुट गई। भीड़ में शामिल बच्चे और जवान शराब की बोतलें निकाल-निकालकर भागने लगे। घटना बहेड़ी थाना क्षेत्र की है। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक बहेड़ी के बघौल-अटहर मुख्य सड़क के बीच परवाहा बांध के पास देर रात करीब दो बजे शराब लदा एक ट्रक सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए। थोड़ी देर में लोगों को पता चला कि ट्रक में शराब के कार्टन्स लदे हैं। देखते ही देखते भारी भीड़ जुट गई और ट्रक से शराब की बोतलें निकालने की होड़ मच गई। वहीं मौजूद किसी शख्स ने इसका वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर अपलोड कर दिया जो वायरल हो रहा है।

घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। बताया जा रहा है कि ट्रक के पलटने के बाद ड्राइवर और खलासी गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। गाड़ी को लावारिश पाकर लोग ट्रक में लदी शराब की बोतलें निकालने लगे। सूचना मिलने के बाद पुलिस करीब सुबह 6:30 बजे घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस के पहुंचने तक मौके पर लोगों की भीड़ जमा थी। पुलिस आने के बाद लूट का सिलसिला बंद हुआ। लोगों को पुलिस ने वापस जाने को कहा पर भीड़ नहीं हटी। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया मामले में कार्रवाई कर रही है। मौके पर पहुंचे पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि ट्रक के मालिक की पहचान की जा रही है। ट्रक में लदी शराब किसने मंगाई थी, इस कारोबारी को खोजा जा रहा है। हर हाल में उसे गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस ने कहा कि राज्य में शराबबंदी कानून लागू है। सघन तलाशी अभियान चलाया जाएगा और जिन लोगों के घर से शराब की बरामदगी होगी उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बात साफ कर दिया है कि कड़े कानून और सरकार के प्रयास के बाद भी बिहार के लोगो का शराब प्रेम खत्म नहीं हो रहा है। बिहार में 2016 नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार ने पूर्ण शराबबंदी कानून लागू किया। इसके तहत राज्य की सीमा में शराब का उत्पादन, भंडारण, परिवहन, खरीद-बिक्री, पीना, पिलाना सब गैरकानूनी है।

8वीं की छात्राओं से गलत हरकत का आरोप, स्कूल में हंगामा; हेडमास्टर गिरफ्तार

छात्राओं ने प्रधानाध्यापक पर छेड़खानी और गलत नीयत से छूने का लगाया आरोप, पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज

नवादा (संवाददाता)। जिले के एक सरकारी स्कूल में आठवीं कक्षा की छात्राओं ने हेडमास्टर पर छेड़खानी और गलत हरकत करने का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया। आरोप है कि हेडमास्टर छात्राओं को अपने कार्यालय में ले जाकर उनके साथ गलत व्यवहार करते थे। घटना के बाद स्कूल में अफरातफरी मच गई और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी मौके पर पहुंच गए। आक्रोशित लोगों ने हेडमास्टर को उनके कार्यालय में बंद कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और हेडमास्टर को सुरक्षित निकालकर थाने ले गई।

- उत्क्रमित मध्य विद्यालय आनंदपुरा में हुआ हंगामा
- छात्राओं के आरोप के बाद स्कूल में जुटी भीड़
- परीक्षा की कॉपी और प्रश्नपत्र मांगने गई छात्रा ने लगाया आरोप
- अन्य छात्राओं ने भी सामने आकर लगाए आरोप
- जांच के आधार पर आगे होगी कार्रवाई

घटना शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे नवादा सदर प्रखंड स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय, आनंदपुरा में हुई। गिरफ्तार हेडमास्टर की पहचान 52 वर्षीय महेश प्रसाद यादव के रूप में की गई है। वह नवादा के गोविंदपुर थाना क्षेत्र के बिशुनपुर गांव के रहने वाले हैं। छात्राओं ने उन पर छेड़खानी और गलत नीयत से शरीर को छूने का आरोप लगाया है।

घटना की जानकारी सामने आने के बाद स्कूल में हंगामा शुरू हो गया। छात्राओं ने हेडमास्टर पर कई दिनों से इस तरह की हरकत करने का आरोप लगाया। हंगामे की जानकारी मिलने पर आसपास के ग्रामीण भी स्कूल पहुंच गए। आक्रोशित लोगों ने हेडमास्टर को उनके कार्यालय में बंद कर दिया। इस दौरान स्कूल में मौजूद छात्र-छात्राएं भी कक्षाओं से बाहर निकल आए और स्थिति पूरी तरह तनावपूर्ण हो गई।

छात्राओं ने कार्यालय में पहुंचकर किया विरोध

आरोप सामने आने के बाद कई छात्राएं हेडमास्टर के कार्यालय में पहुंच गईं। वहां हंगामा हुआ और दस्तावेज आदि फेंके गए। छात्राओं ने हेडमास्टर का विरोध किया। इस बीच बड़ी संख्या में ग्रामीण भी स्कूल पहुंच गए। हंगामे के कारण स्कूल का माहौल पूरी तरह बदल गया और छात्र-छात्राएं कक्षाओं से बाहर निकल आए।

डायल 112 की टीम के बाद पहुंची नगर थाना पुलिस

हंगामे की सूचना ग्रामीणों ने डायल 112 को दी। पुलिस टीम स्कूल पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश की। लोगों के आक्रोश को देखते हुए नगर थाना पुलिस को भी सूचना दी गई। नगर थानाध्यक्ष उमाशंकर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया। इसके बाद हेडमास्टर को सुरक्षित बाहर निकालकर थाने ले जाया गया।

पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज, हेडमास्टर गिरफ्तार

नगर थानाध्यक्ष के अनुसार, छात्राओं ने हेडमास्टर पर छेड़खानी और गलत नीयत से बैड टच करने के आरोप लगाए हैं। छात्राओं की शिकायत के आधार पर नगर थाने में मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में छेड़खानी और पॉक्सो एक्ट की धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस ने आरोपी हेडमास्टर महेश प्रसाद यादव को गिरफ्तार कर लिया है और मामले में कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

एक आठवीं कक्षा की छात्रा ने बताया कि वह परीक्षा के लिए कॉपी और प्रश्नपत्र मांगने हेडमास्टर के पास गई थी। छात्रा के अनुसार, हेडमास्टर उसे अपने कार्यालय में ले गए और गलत नीयत से छूने लगे। इसी कक्षा की एक अन्य छात्रा ने भी हेडमास्टर पर उसके बाल खींचने का आरोप लगाया। इसके बाद छात्रा ने बाहर आकर अपनी सहेलियों को घटना की जानकारी दी।

एक छात्रा द्वारा घटना की जानकारी देने के बाद अन्य छात्राओं ने भी हेडमास्टर के व्यवहार को लेकर अपनी शिकायतें बताईं। छात्राओं का आरोप है कि हेडमास्टर पहले भी कई बार उनके साथ गलत हरकत कर चुके हैं। छात्राओं के अनुसार, उन्होंने पहले इस बारे में अपने परिजनों से शिकायत नहीं की थी। शुक्रवार को एक छात्रा द्वारा बात सामने रखने के बाद अन्य छात्राओं का भी आक्रोश सामने आया।

मामले के सामने आने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। छात्राओं की शिकायत और लगाए गए आरोपों के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है। घटना के बाद स्कूल परिसर में काफी देर तक हंगामे की स्थिति बनी रही। हेडमास्टर की गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच पुलिस के स्तर से आगे बढ़ाई जा रही है।

समाचार-सार

सीवान में नदी में डूबे 9 वर्षीय वलीम का शव घंटों बाद बरामद

सीवान (संवाददाता)। काजी मोहल्ला स्थित शिवव्रत साह घाट के पास नदी में नहाने के दौरान 9 वर्षीय वलीम डूब गया। घटना के बाद उसकी तलाश शुरू की गई। घंटों की खोजबीन के बाद स्थानीय गोताखोरों ने घाट के समीप से वलीम का शव बरामद किया। बच्चे के नदी में डूबने की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए और बच्चे के शव को देखकर उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। स्थानीय लोगों ने भी बच्चे की तलाश में मदद की। काफी देर तक नदी में खोजबीन के बाद गोताखोरों को शव बरामद करने में सफलता मिली। घटना के बाद इलाके में मातम पसरा हुआ है। 9 वर्षीय वलीम की मौत से परिजन और आसपास के लोग गहरे सदमे में हैं। हादसे ने परिवार को झकझोर कर रख दिया है।

रोहतास में दो बाइकों की टक्कर, इलाज के दौरान संतोष चौधरी की मौत

रोहतास (संवाददाता)। नावाडीह खुर्द स्कूल के पास दो बाइकों की टक्कर में संतोष चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद उन्हें इलाज के लिए नौहट्टा अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान संतोष चौधरी की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। स्थानीय लोगों ने घायल संतोष चौधरी को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। नौहट्टा अस्पताल में चिकित्सकों ने उनका इलाज किया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। मौत की खबर मिलते ही परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे के बाद गांव में भी मातम का माहौल है। दो बाइकों की टक्कर में हुई इस मौत से स्थानीय लोग भी दुखी हैं। घटना ने संतोष चौधरी के परिवार को गहरा सदमा पहुंचाया है।

दो बाइकों की टक्कर, इलाज के दौरान संतोष चौधरी की मौत

रोहतास (संवाददाता)। नावाडीह खुर्द स्कूल के पास दो बाइकों की टक्कर में संतोष चौधरी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद उन्हें इलाज के लिए नौहट्टा अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान संतोष चौधरी की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल संतोष चौधरी को अस्पताल पहुंचाया गया। नौहट्टा अस्पताल में चिकित्सकों ने उनका इलाज किया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलने के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना से गांव में भी शोक का माहौल है। दो बाइकों की टक्कर में हुई इस मौत से स्थानीय लोगों में भी दुख है। संतोष चौधरी की मौत से उनके परिवार को गहरा सदमा पहुंचा है।

अनंत सिंह बोले- अनुज सिंह का समर्थन और नीरज कुमार का विरोध करेंगे

पटना (संवाददाता)। जदयू के ओरिएंटेशन कार्यक्रम के बीच विधायक अनंत सिंह ने कहा कि वह पार्टी से नाराज नहीं, बल्कि निराश हैं। आगामी एमएलसी चुनाव को लेकर उन्होंने अनुज सिंह के समर्थन की बात कही है। साथ ही जदयू उम्मीदवार नीरज कुमार के विरोध की बात भी कही। अनंत सिंह के इस बयान से आगामी एमएलसी चुनाव को लेकर राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। उन्होंने पार्टी से नाराजगी की बात से इनकार करते हुए अपनी स्थिति स्पष्ट की। अनंत सिंह ने कहा कि वह पार्टी से नाराज नहीं हैं, लेकिन निराश जरूर हैं। एमएलसी चुनाव में उनके रुख को लेकर पार्टी के भीतर भी चर्चा हो रही है। उन्होंने स्पष्ट तौर पर अनुज सिंह के समर्थन और जदयू उम्मीदवार नीरज कुमार के विरोध की बात कही। उनके बयान के बाद चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां बढ़ गई हैं।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत बरामद मोबाइल लौटाए गए, अब तक 1040 फोन बरामद

पूर्णिया (संवाददाता)। ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस ने बरामद किए गए मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को वापस किए। एसएसपी ने बताया कि अभियान के तहत अब तक 1040 मोबाइल फोन बरामद किए जा चुके हैं। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरे पर खुशी नजर आई। पुलिस की ओर से बरामद मोबाइल की पहचान और सत्यापन के बाद उन्हें संबंधित लोगों को सौंपा गया। मोबाइल फोन खोने या चोरी होने के बाद लोगों ने इसकी शिकायत पुलिस से की थी। पुलिस की कार्रवाई के बाद कई लोगों को उनका मोबाइल वापस मिल सका। एसएसपी के अनुसार ऑपरेशन मुस्कान के तहत मोबाइल बरामद करने की कार्रवाई लगातार जारी है। अभियान के दौरान बरामद किए गए मोबाइल को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उनके मालिकों को लौटाया जा रहा है। इस अभियान से मोबाइल गुम या चोरी होने की शिकायत करने वाले लोगों को राहत मिली है। पुलिस के अनुसार अब तक 1040 मोबाइल बरामद होना अभियान की कार्रवाई का हिस्सा है।

पति ने हथौड़े से पत्नी के सिर पर किया वार, मौत; आरोपी गिरफ्तार

नालंदा (संवाददाता)। लहेरी थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के बीच विवाद के बाद महिला की हथौड़े से सिर पर वार कर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान रेखा देवी के रूप में हुई है। बताया गया कि रेखा देवी ने करीब एक साल पहले सौरभ कुमार से प्रेम विवाह किया था। विवाद के दौरान सौरभ कुमार ने हथौड़े से रेखा देवी के सिर पर वार कर दिया। गंभीर चोट लगने के बाद महिला की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी पति सौरभ कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद मृतका के परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण माह में पौष्टिक खिचड़ी और स्थानीय व्यंजनों की प्रदर्शनी

अररिया (संवाददाता)। 9वें राष्ट्रीय पोषण माह 2026 के तहत जिले के 2811 आंगनबाड़ी केंद्रों पर पौष्टिक खिचड़ी, स्थानीय व्यंजनों और पोषण सामग्री की प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों और अभिभावकों को पोषण एवं संतुलित आहार के महत्व की जानकारी दी गई। आंगनबाड़ी केंद्रों पर तैयार पौष्टिक खिचड़ी और स्थानीय व्यंजनों के माध्यम से बच्चों के पोषण पर ध्यान देने का संदेश दिया गया। विभिन्न पोषण सामग्री की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने गायिकी की प्रस्तुति देकर लोगों का मन मोह लिया। केंद्रों पर पहुंचे अभिभावकों को संतुलित आहार के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

बिहार के 19 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट, ठनका और तेज हवा की चेतावनी

पटना (संवाददाता)। बिहार में इस साल मानसून की बारिश अनुमान से करीब 36 प्रतिशत कम हुई। अब बारिश के मौसम की विदाई होने का समय आ आ गया है। लेकिन, पिछले चार पांच दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में रोज बारिश हो रही है। आज शुक्रवार 18 सितम्बर को राज्य के 19 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। वर्षा के साथ कुछ इलाकों में वज्रपात(ठनका) की आशंका जताई गई है। पटना में बादल छाए रहने की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग ने लोगों को मौसम के दुष्प्रभाव से बचने की सलाह दी है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट में बताया गया है कि आज शुक्रवार को बिहार के आधे जिलों में बारिश हो सकती है। वहीं अन्य जिलों में धूप निकलेगी। सभी जिलों में गर्मी का असर दिखेगा। जिस जिलों में बारिश की आशंका जताई गई है उनमें पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, पटना, जहानाबाद, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, बेगूसराय और लखीसराय शामिल हैं। बताया गया है कि गया और औरंगाबाद में तेज बारिश हो सकती है। इन जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा भी चल सकती है।

पटना के मौसम के बारे में बताया गया है कि आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। विभिन्न इलाकों में दो-तीन बार गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। पटना का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा जिससे गर्मी का असर दिखेगा। पटना में अगले तीन से चार दिनों तक बारिश जैसी स्थिति बनी रहेगी। बीते 24 घंटे में पटना में 22 मिमी बारिश दर्ज की गई है। बेगूसराय में 58 मिमी, बक्सर में 53 मिमी, सीवान में 33 मिमी, गया में 32 मिमी नोट की गई।

लव स्टोरी का खौफनाक अंत

पति ने हथौड़े से किया पत्नी का मर्डर; आर्केस्ट्रा में हुआ था अफेयर

बिहारशरीफ (संवाददाता)। बिहार के नालंदा में एक लव स्टोरी का खौफनाक तरीके से अंत हो गया। प्रेमिका से पत्नी बनी युवती को उसके पति ने मौत के घाट उतार दिया। एक साल पहले दोनों ने लव मैरिज किया था। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। घटना लहेरी थाना क्षेत्र के बड़ी पहाड़ी स्थित चौहारमल बाबा मंदिर के समीप शुक्रवार की है। मृतका पंजाब की रहने वाली थी।

बताया जाता है कि पति-पत्नी के बीच हुए विवाद में हत्या की वारदात को अंजाम दिया गया। आरोप है कि विवाद के दौरान पति ने हथौड़े से पत्नी के सिर पर वार कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। सूचना मिलते ही एसपी हृदयकांत पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। मृतका की पहचान सौरभ कुमार की 26 वर्षीय पत्नी रेखा के रूप में की गई है। महिला आर्केस्ट्रा में काम करती थी। इसी दौरान रेखा की मुलाकात सौरभ कुमार से हुई थी। दोनों के बीच प्रेम संबंध हुआ और करीब एक साल पहले दोनों ने लव मैरिज की थी।

परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, रेखा कुछ समय पहले अपने मायके पंजाब गयी हुई थींऔर गुरुवार को ही वापस लौटी थी। इसके अगले ही दिन पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया।

मृतका की सास शोभा देवी ने बताया कि किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर दोनों एक-दूसरे के साथ मारपीट करने लगे। इसी दौरान उनके बेटे ने बचाव के लिए पास में रखे हथौड़े से रेखा के सिर पर वार कर दिया। सिर में गंभीर चोट लगने से रेखा की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना की जानकारी मिलने के बाद लहेरी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल से घटना में इस्तेमाल हथौड़े के संबंध में भी जांच शुरू कर दी है।

एसपी हृदयकांत ने घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस अधिकारियों से घटना की जानकारी ली और मामले की जांच के निर्देश दिए। एसपी ने बताया कि आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे पूछताछ के क्रम में कई जानकारी मिली हैं। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। परिजन और गांव के लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

महिला सिपाही की मौत पर सदर अस्पताल में हंगामा; आईसीयू में डॉक्टर नदारद

समस्तीपुर (संवाददाता)। समस्तीपुर पुलिस लाइन में तैनात एक महिला सिपाही की सदर अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। इस घटना में सरकारी अस्पताल की पोल भी खुल गई। महिला सिपाही की मौत के बाद साथी पुलिसकर्मियों में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में जवान शुक्रवार की सुबह सदर अस्पताल पहुंचे और उपचार में लापरवाही का आरोप लगाते हुए मामले की जांच कर जिम्मेदारी तय करने की मांग करते हुए हंगामा किया। साथी जवानों ने बताया कि आईसीयू में ना डॉक्टर थे ना एसी चल रहा था। वहां पहले एक मृत व्यक्ति की लाश पड़ी हुई थी।

मृतका की पहचान वर्ष 2015 बैच की महिला सिपाही मालती कुमारी के रूप में की गई है। वह रोहतास जिले के चेनारी थाना क्षेत्र के मलहीपुर गांव की रहने वाली थीं। वर्तमान में वह समस्तीपुर पुलिस लाइन स्थित रक्षित कार्यालय की निर्गत शाखा में पदस्थापित थीं। महिला सिपाही की मौत का वास्तविक चिकित्सकीय कारण क्या था, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और चिकित्सकीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। डॉक्टर की ओर से लापरवाही के आरोपों पर

तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

रात में पेट दर्द की शिकायत पर लाया गया अस्पताल

साथी सिपाहियों के अनुसार, मालती कुमारी को पेट दर्द की शिकायत के बाद शुक्रवार की सुबह करीब 3:30 बजे सदर अस्पताल लाया गया था। इमरजेंसी में प्रारंभिक उपचार के बाद ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने उन्हें आईसीयू में भर्ती करने की सलाह दी। इसके बाद उन्हें आईसीयू में ले जाया गया। सिपाहियों का आरोप है कि आईसीयू में भर्ती किए जाने के समय वहां कोई डॉक्टर या कर्मचारी मौजूद नहीं था। बाद में इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर संतोष कुमार के आईसीयू पहुंचने के बाद उपचार शुरू किया गया। हालांकि, कुछ ही देर बाद महिला सिपाही की मौत हो गई।

मृतका के साथी पुलिसकर्मियों ने आरोप लगाया कि आईसीयू में रेफर किए जाने के बावजूद वहां तत्काल चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध नहीं थी। उनका यह भी आरोप था कि आईसीयू का एसी बंद था। एक महिला साथी जवान ने बताया कि वहां पहले से एक मृत व्यक्ति की डेड बॉडी पड़ी थी और सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। पुलिस जवानों ने सवाल उठाया कि जब महिला सिपाही को पेट दर्द की शिकायत पर अस्पताल लाया गया था, तो उपचार के दौरान उसकी स्थिति इतनी गंभीर कैसे हो गई।

महिला सिपाही की मौत की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी सदर अस्पताल परिसर में जुट गए। जवानों ने अस्पताल प्रबंधन के समक्ष नाराजगी जताई और उपचार व्यवस्था पर सवाल उठाए। इस दौरान अस्पताल परिसर में काफी देर तक गहमागहमी की स्थिति बनी रही। साथी पुलिसकर्मियों का आरोप था कि समय पर समुचित उपचार और आवश्यक चिकित्सकीय निगरानी मिलती, तो संभव है कि महिला सिपाही की जान बचाई जा सकती थी। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वालों पर कार्रवाई की मांग की।

एसपी पहुंचे अस्पताल

घटना की सूचना मिलने के बाद प्रभारी सदर एसडीपीओ-1 दुर्गेश दीपक, मुफस्सिल थानाध्यक्ष अजीत प्रसाद सिंह समेत भारी संख्या में पुलिस बल शुक्रवार की सुबह सदर अस्पताल पहुंचे। हालात को देखते हुए एसपी अवधेश कुमार दीक्षित भी सदर अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने पूरे मामले की जानकारी और आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया। उसके बाद पुलिसकर्मी शांत हुए।

दो बच्चों और वृद्ध मां के साथ रहती थीं मालती

साथी पुलिसकर्मियों के अनुसार, मालती कुमारी के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। वह समस्तीपुर में अपने बच्चों और वृद्ध मां के साथ रहती थीं। उनके पति खेती-बारी का काम करते हैं और गांव में रहते हैं। महिला सिपाही की मौत की सूचना उनके परिजनों को दे दी गई है।

गम में बदलीं 2 परिवारों की खुशियां, डूबकर 2 स्कूली छात्रों की मौत

भागलपुर भागलपुर में विश्वकर्मा पूजा के दिन दो परिवारों की उत्सव की खुशियां गम में तब्दील हो गईं। कहलगांव थाना क्षेत्र के सदानंदपुर पंचायत अंतर्गत कवैया टोला स्थित तालाब में गुरुवार को स्नान करने के दौरान डूबने से दो स्कूली छात्रों की मौत पर कोहराम मच गया। मृतकों की पहचान नंदलालपुर हरिजन टोला निवासी गिरिराज दास के 15 वर्षीय पुत्र विभीषण कुमार और सुनील हरिजन के 12 वर्षीय पुत्र मनीष कुमार के रूप में हुई है।

बताया गया कि स्कूल में छुट्टी होने के बाद चार छात्र तालाब में स्नान करने गए थे। इनमें दो छात्र स्नान करने के बाद बाहर निकल गए। बाढ़ के कारण पानी अधिक था जिसका अंदाजा दो छात्रों को नहीं हो सका। इस वजह से विभीषण और मनीष तालाब के गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उनके दोस्तों ने हल्ला किया तो कुछ लोग जुटे। लेकिन, काफी प्रयास के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। दोनों के डूबने की सूचना मिलते ही परिजनों और ग्रामीणों में अफरातफरी मच गई। दोनों के घर वाले और ग्रामीण आनन-फानन में तालाब के पास पहुंचे और काफी प्रयास के बाद दोनों छात्रों को पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।दोनों छात्रों के शव बाहर निकलते ही मौके पर मौजूद उनकी मां अपने-अपने पुत्र के शव से लिपटकर दहाड़ मारकर रोने लगीं। परिजनों के करुण क्रंदन से पूरा माहौल गमगीन हो गया। घटना की सूचना पर तालाब के पास ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी लेने के बाद दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए थाना ले गई। पुलिस ने घटना की जानकारी अंचलाधिकारी को दी। विभीषण कुमार दो भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़ा था। वह बसकोला स्कूल में दसवीं कक्षा में पढ़ता था। बेटे की मौत से मां चंदा देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं मनीष कुमार दो भाइयों और तीन बहनों में सबसे छोटा था। वह मध्य विद्यालय नंदलालपुर में छठी कक्षा का छात्र था। मनीष की मां सरिता देवी और बहनें भी रो-रोकर बेहाल हैं।

ताजा खबर संक्षिप्त

अब यूपी में हर गवाह के स्टेटमेंट का ऑडियो-वीडियो सबूत रखना होगा पुलिस को

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश में गवाहों के बयान की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग को अनिवार्य करने पर विचार करने का निर्देश दिया है. कोर्ट ने यूपी के छ्वत्रक्क से इस संबंध में जरूरी कदम उठाने को कहा है. कोर्ट का कहना है कि इससे आपराधिक मामलों की जांच ज्यादा पारदर्शी और निष्पक्ष हो सकती है. यह आदेश जस्टिस अरुण कुमार सिंह देशवाल की बेंच ने सुनवाई के दौरान दिया. दरअसल, कोर्ट में आगरा के दहेज से जुड़े एक मामले में जमानत याचिका पर सुनवाई हो रही थी. सुनवाई के दौरान जांच अधिकारी ने माना कि उसने पहली शिकायतकर्ता का बयान दर्ज करते समय उसकी ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग नहीं की थी. इलाहाबाद कोर्ट ने कहा कि क्चहस्स् की धारा 180(3) और क्चहस्स् 2024 के नियम 20(1) में जांच अधिकारी को गवाह का बयान ऑडियो-वीडियो इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से रिकॉर्ड करने की इजाजत है. यानी जांच के दौरान पुलिस के पास यह सुविधा पहले से मौजूद है. कोर्ट के सामने जांच अधिकारी ने अपनी गलती पर बिना शर्त माफी भी मांगी. इस दौरान कोर्ट ने छ्वत्रक्क के 21 जुलाई 2025 और 4 अगस्त 2026 के सर्कुलर का भी जिक्र किया. इन सर्कुलर में गवाहों के बयान की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग से जुड़े निर्देश दिए गए हैं.

युद्ध के बीच अमेरिका ने ईरानी नेताओं को दिया वीजा

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच बीते छह महीनों से जारी युद्ध और भारी तनाव के बावजूद, ट्रंप प्रशासन ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिस्सा लेने के लिए ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और विदेश मंत्री को वीजा जारी कर दिया है। अमेरिका ने यूएन के मेजबान देश की कानूनी बाध्यता के कारण यह फैसला लिया है, हालांकि ईरानी प्रतिनिधिमंडल की आवाजाही और खरीदारी पर सख्त पाबंदियां रहेंगी। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका ने फिलिस्तीनी राष्ट्रपति का वीजा खारिज कर दिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति में वाशिंगटन के दोहरे मापदंडों पर सवाल उठ रहे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच पिछले छह महीनों से जंग चल रही है, लेकिन इसके बावजूद ट्रंप प्रशासन ने यूएन महासभा की बैठक के लिए ईरानी नेताओं को वीजा दे दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि संयुक्त राष्ट्र के मेजबान देश के तौर पर अपनी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों को निभाते हुए उन्होंने ईरान के %कोर डेलिगेशन% को न्यूयॉर्क आने की मंजूरी दी है। इस प्रतिनिधिमंडल में ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और विदेश मंत्री अब्बास अराघची शामिल हैं। हालांकि, अमेरिका ने स्पष्ट कर दिया है कि ईरानी नेताओं का यह दौरा पूरी तरह से पाबंदियों के साये में रहेगा।

10 लाख साल से भी कम उम्र का 'नवजात' ग्रह मिला, बृहस्पति जितना विशाल

नई दिल्ली। खगोलविदों ने 10 लाख साल से भी कम उम्र के एलियास 2-24 बी ग्रह की पुष्टि की है, जो आकार में करीब बृहस्पति जितना विशाल है और अपने तारे से पृथ्वी-सूर्य की दूरी की करीब 55 गुना दूरी पर है। इतनी कम उम्र में इतनी दूर विशाल ग्रह का बन जाना मौजूदा ग्रह निर्माण मॉडलों के लिए चुनौती है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इसके अध्ययन से ग्रहों के जन्म और शुरुआती विकास को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलेगी। खगोलविदों ने अब तक ज्ञात सबसे कम उम्र के ग्रह की पुष्टि की है। एलियास 2-24 बी नाम का यह ग्रह 10 लाख साल से भी कम पुराना है और अभी भी गैस व धूल की उसी डिस्क के भीतर मौजूद है, जिससे इसका निर्माण हुआ है। यानी वैज्ञानिक किसी पुराने ग्रह को नहीं, बल्कि उसके जन्म के बेहद शुरुआती दौर को देख रहे हैं।

खबर जरा हटके

बोरियों में भरकर लाए कुत्ते और अधिकारी की टेबल पर छोड़ दिया

सोशल मीडिया पर नासिक का हैरान करने वाला वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें आप देख सकते हैं कि कुत्तों से परेशान लोगों ने अनोखा विरोध प्रदर्शन किया है। वीडियो में दिख रहा है कि लोग बोरी कुत्ता भर लाए और अधिकारी की टेबल पर छोड़ दिया। नासिक का एक मामला सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। इस वीडियो ने लोगों को हैरान कर दिया है। इसमें दिख रहा है कि एक शख्स बोरी में भरकर कुत्ता लाया और सरकारी अधिकारी की टेबल पर छोड़ दिया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। दरअसल, कुत्तों से परेशान लोगों ने प्रदर्शन के लिए अनोखा तरीका अपनाया है। नासिक में हाल के दिनों आवारा कुत्तों के हमले की घटनाएं काफी बढ़ गई हैं। लोगी की शिकायत के बाद भी प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की, जिससे नाराज होकर नगर पंचायत ऑफिस में अनोखा विरोध किया। लोग बोरियों में कुत्ते भरकर लाए और अधिकारी की टेबल पर छोड़ दिया। विरोध प्रदर्शन कर रहे शिवसेना (क्चञ्ज) नेताओं ने सीओ की टेबल पर आवार कुत्ते छोड़े। इसके साथ अधिकारी की कुर्सी को नोटों की माला भी पहनाई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नासिक के निफाड में इन दिनों आवारा कुत्तों के आतंक लोग परेशान हैं। कुत्तों ने कई कई छोटे बच्चों और नागरिकों को काट लिया, जिसमें वो गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से लगातार आवारा कुत्तों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर लोगों ने अनोखे तरीके से नाराजगी जाहिर की है।

बाक्स न्यूज

नंदी की मूर्ति के सामने पहुंचा बंदर, वीडियो हुआ वायरल

सोशल मीडिया पर एक बंदर का वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो ने लोगों का दिल जीत लिया है। इसमें एक बंदर नंदी की मूर्ति को केला खिला रहा है। सोशल मीडिया पर हर दिन एक से बढ़कर वीडियो सामने आते हैं। इनमें कई वीडियो हैरान करने वाले होते हैं, तो कुछ दिल को छूने वाले होते हैं। अब इन दिनों एक ऐसा ही वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक बंदर चौराहे पर लगी नंदी की मूर्ति को केला खिला रहा है। अब यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। आसपास की तेज रफ्तार जिंदगी के बीच यह अनोखा पल सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि एक चौंराहे पर नदीं की मूर्ति लगी है। मूर्ति के पास एक बंदर बैठा है और हाथ में केला लिया हुआ है। वह केला छिलकर पहले मूर्ति को खिलाता है, लेकिन उसके कोशिश के बाद मूर्ति केला नहीं खा रही है। बंदर को लग रहा है कि यह मूर्ति नहीं है, बल्कि सच में नंदी बैठे हैं। यह मासूमियत से भरा वीडियो लोगों का दिल जीत रहा है। बेजुबान कई बार कोशिश करता है बैठी हुए नंदी को भी केला खिला दे। शायद उसे लगा कि नंदी भी भूखे हैं। जब नंदी ने केला नहीं खाया तो उसने खुद ही केला खा लिया।

पोलैंड के पीएम टस्क ने दी बड़ी चेतावनी

रूस नाटो देशों पर ड्रोन-रॉकेट से कर सकता है हमला

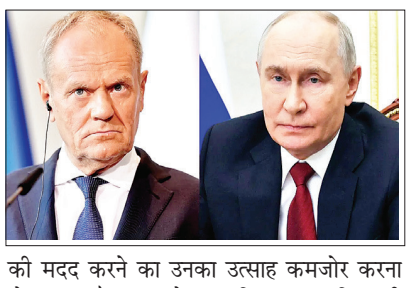

वारसॉ। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने रूस को लेकर बड़ा दावा किया है। टस्क ने चेतावनी दी है कि रूस यूक्रेन का समर्थन करने वाले यूरोपीय देशों, खासकर ह्रञ्जह्र के पूर्वी हिस्से में स्थित देशों को निशाना बनाने की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि रूस ड्रोन या रॉकेट के जरिए ऐसे हमले कर सकता है और बाद में इन्हें 'दुर्घटना' बताकर ह्रञ्जह्र की प्रतिक्रिया को कमजोर करने की कोशिश कर सकता है। पोलिश संसद में गुरुवार को दिए भाषण में टस्क ने कहा कि रूस का मकसद ह्रञ्जह्र देशों को इस स्थिति में डालना हो सकता है कि वे अपने किसी सदस्य की मदद के लिए तुरंत आगे आने से हिचकिचाएं। उन्होंने कहा, असली खतरा इस बात का है कि ड्रोन या मिसाइल जैसे हथियार ह्रञ्जह्र के पूर्वी हिस्से के एक या कई देशों में घुस सकते हैं और वहां नुकसान पहुंचा सकते हैं।

टस्क के मुताबिक, रूस की ओर से इसके बाद आधिकारिक तौर पर कहा जा सकता है कि यह सब गलती से हुआ और ह्रञ्जह्र के पास जवाब देने की कोई वजह नहीं है। उन्होंने कहा कि ऐसी रणनीति का उद्देश्य ह्रञ्जह्र देशों को पंगु बनाना या कम से कम किसी हमले का सामना कर रहे सदस्य की मदद करने का उनका उत्साह कमजोर करना हो सकता है। टस्क ने कहा कि रूस इसलिए भी ज्यादा खतरनाक हो रहा है क्योंकि वह अब तेजी से जेट इंजन वाले ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है। ऐसे ड्रोन ज्यादा ऊंचाई और ज्यादा रफ्तार से उड़ सकते हैं, इसलिए एयर डिफेंस सिस्टम के लिए उन्हें लक्ष्य तक पहुंचने से पहले पहचानना मुश्किल हो जाता है। टस्क पिछले कई महीनों से यह चेतावनी देते रहे हैं कि रूस किसी ह्रञ्जह्र देश के खिलाफ बड़ा हाइब्रिड हमला कर सकता है। उनका कहना है कि ह्रञ्जह्र, यूक्रेन और अमेरिकी खुफिया एजेंसियों, जिसमें ष्टढ्ढ भी शामिल है, से मिली जानकारी के बाद उनकी चेतावनियां सटीक लग रही हैं। टस्क ने हाल के दिनों में कहा है कि रूस अब यूक्रेन और उसके यूरोपीय पड़ोसी देशों के बीच मौजूद बॉर्डर क्रॉसिंग को निशाना बनाने पर ध्यान दे रहा है। इसका मकसद यूक्रेन तक पहुंचने वाली सैन्य और दूसरी जरूरी मदद की सप्लाई लाइन को बाधित करना बताया गया है। टस्क के मुताबिक, पिछले एक हफ्ते में पोलैंड-यूक्रेन सीमा पर ऐसी 4 घटनाएं हुई हैं। इसके अलावा यूक्रेन की मोल्दोवा से लगने वाली सीमा पर भी पिछले कुछ हफ्तों में कई घटनाएं हुई हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर टस्क ने कहा कि फिलहाल मॉस्को किसी शांति वार्ता के लिए तैयार नहीं है, जब तक यूक्रेन की पूरी तरह हार% न हो जाए। उन्होंने कहा कि वे इस बात को लेकर आश्वस्त हैं कि सर्दी यूक्रेन के लिए बेहद गंभीर और विनाशकारी साबित होगी। टस्क ने बताया कि पिछली सर्दियों में जब रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे पर हमले किए थे, तब पोलैंड ने वहां जरूरी सामान और मदद पहुंचाई थी। लेकिन अगर बॉर्डर क्रॉसिंग को ही नष्ट कर दिया जाता है तो आने वाली सर्दियों में वारसॉ के लिए यूक्रेन की मदद करना कहीं ज्यादा मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने कहा, रूस का लक्ष्य यूक्रेन की अर्थव्यवस्था और उसकी लॉजिस्टिक्स को जितना संभव हो सके, उतना नष्ट करना है। खुफिया जानकारी के मुताबिक, निकट भविष्य में यूक्रेन के 6 प्रमुख शहरों पर लगातार बड़े हमले हो सकते हैं।

मां ज्वालामुखी शक्तिपीठ में राजस्थान के युवक ने खुद को लगाई आग

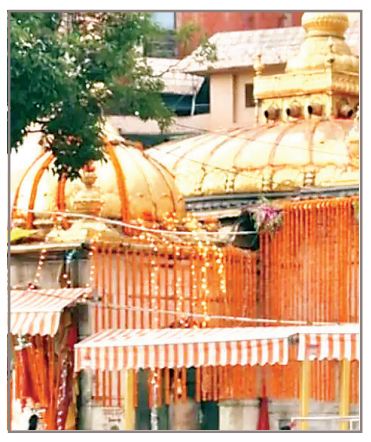

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित शक्तिपीठ मां ज्वालामुखी मंदिर में गुरुवार को हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां मंदिर परिसर में एक युवक ने कथित तौर पर खुद को आग लगा ली है। आग लगाने वाला 36 वर्षीय युवक राजस्थान का बताया जा रहा है। घटना में युवक का शरीर 70 प्रतिशत तक झुलस गया है। आइए जानते हैं कि इस घटना के बारे में अब तक क्या जानकारी सामने आई है। दरअसल, ये पूरा मामला गुरुवार को करीब शाम 8 बजे का बताया जा रहा है। सामने आई जानकारी के अनुसार, ज्वालामुखी मंदिर में युवक ने मंदिर में खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा ली। व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। वह बुरी तरह से झुलस गया था जिसके बाद उसे टांडा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया है। आपको बता दें कि अगर मंदिर में ज्यादा भीड़ होती तो वहां आग के कारण भगदड़ भी मच सकती थी। इससे पहले बिहार के लखीसराय में अशोक धाम मंदिर में भगदड़ मचने से 7 महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी।सामने आई जानकारी के अनुसार, युवक मंदिर परिसर में आग की लपटों के बीच जमीन पर पड़ा हुआ था। जब लोगों ने ये घटना देखी तो मौके पर खलबली मच गई। लोग तुरंत पानी लेकर आए आग बुझाकर युवक को बचाने की कोशिश की। जब तक युवक को बचाया गया तब तक वह 70 प्रतिशत तक बुरी तरह से झुलस चुका था। मौके पर तुरंत एंबुलेंस भर्ती कराया गया। यहां डॉक्टरों ने उसकी हालत को गंभीर बताते हुए टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया।

फॉरेंसिक टीम मंदिर परिसर पहुंची

इस पूरी घटना के बाद फॉरेंसिक टीम मंदिर परिसर में पहुंची और मौके से सबूत इकट्ठा किए। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि युवक ने खुद पर पेट्रोल छिड़का था ये कुछ और पदार्थ। युवक ऐसा कदम क्यों उठाया, इसके पीछे क्या कारण था, वह मंदिर अकेले आया था या किसी के साथ? पुलिस इन सभी एंगल पर जांच कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, युवक की पहचान रामदास पुत्र गजानंद, निवासी जहालबाड़. राजस्थान के तौर पर की गई है।

टीएमसी बनाम टीएमसी: सिंबल और पार्टी के नाम पर ममता ने रात को ही दिया जवाब

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा उपचुनावों से पहले चुनाव आयोग ने एक अंतरिम आदेश जारी कर तृणमूल कांग्रेस के दोनों धड़ों पर पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न के इस्तेमाल पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है. ममता बनर्जी ने आयोग के अंतरिम आदेश पर कड़ा विरोध दर्ज कराया, जबकि बागी गुट आज 11 बजे तक नए विकल्प सौंपेगा. ये पूरा विवाद दोनों पक्षों द्वारा पार्टी पर अधिकार जताने के चलते खड़ा हुआ है.

ममता ने रात को ही सौंपा जवाब

ममता बनर्जी गुट के सूत्रों के अनुसार, एआईटीसी की संस्थापक और चेयरपर्सन ममता बनर्जी ने गुरुवार रात 11.36 बजे चुनाव आयोग को अपना आधिकारिक जवाब भेज दिया है. ममता बनर्जी ने आयोग द्वारा नाम और सिंबल को फ्रीज करने के फैसले पर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया है.

सूत्रों ने बताया कि उन्होंने बेहद कड़े विरोध के साथ आयोग के अंतरिम आदेश के तहत अपनी प्राथमिकता वाले तीन नाम और तीन चुनाव चिह्न सौंप दिए हैं.

ऋह्नब्रत ने किया आयोग के फैसले का स्वागत

वहीं, दूसरी ओर पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और बागी गुट के प्रमुख ऋह्नब्रत बनर्जी ने चुनाव आयोग के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि आयोग ने प्रतीक चिन्ह को फ्रीज करना जरूरी समझा और वैसा ही किया. उन्होंने कहा कि ये फैसला साबित करता है कि कोई भी राजनीतिक पार्टी कभी-भी एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह काम नहीं कर सकती. भारतीय लोकतंत्र में फासीवाद, वंशवाद और वंशानुगत उत्तराधिकार के लिए कोई जगह नहीं है.

ऋह्नब्रत बनर्जी ने बताया कि अरूप विश्वास, अरूप राय और अकरुज्जमा इस वक्त दिल्ली में मौजूद हैं. उन्होंने कहा कि वह चंद्रिमा-दी के साथ शुक्रवार सुबह बैठक करेंगे और 11 बजे तक चुनाव आयोग को अपने तीन वैकल्पिक नाम और सिंबल की जानकारी दे देंगे. उन्होंने कहा कि उनके गुट ने 23 जून से चुनाव आयोग को दस्तावेज सौंपने शुरू किए थे और आयोग ने उन्हीं पुख्ता दस्तावेजों के आधार पर ये अंतरिम फैसला लिया है.

क्या है विवाद

दरअसल, पश्चिम विधानसभा चुनाव में टीएमसी की करारी हार के बाद पार्टी पर वर्चस्व और असली तृणमूल कांग्रेस होने के दावों को लेकर दोनों गुट लंबे वक्त से आमने-सामने थे, जिसमें दोनों पक्षों ने आयोग का दरवाजा खटखटाया था. जिस पर आयोग ने दोनों पक्षों को अपने दावे, दलीलें और सबूत रखने के लिए तीन बार मौका दिया. दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद, विवाद की गंभीरता और उपचुनावों की निष्पक्षता को देखते हुए आयोग ने अंतरिम व्यवस्था के तहत अगले आदेश तक दोनों पक्षों के लिए %ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस% नाम और %जोड़ा फूल% सिंबल के इस्तेमाल पर रोक लगा दी.

हूती हमलों से तेल सप्लाई पर खतरा, सऊदी पर अटैक के बीच लाल सागर में बढ़ी टेंशन

नई दिल्ली। यमन में हूती विद्रोहियों के लगातार हमलों ने एक बार फिर पूरे इलाके की चिंता बढ़ा दी है. इसका असर सिर्फ अरब देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया के तेल बाजारों पर भी पड़ सकता है. लाल सागर में तेल की सप्लाई का रास्ता खतरे में नजर आ रहा है. पिछले कुछ हफ्तों में हूतियों ने यमन के कई इलाकों में अपनी पकड़ मजबूत की है और अब सऊदी से जुड़े जहाजों और तेल के ठिकानों को निशाना बनाया जा रहा है. इसका असर यमन में भी दिखाई दे रहा है. ताजा लड़ाई से करीब 1.25 लाख लोग अपना घर छोड़ चुके हैं. वहीं यमन में लंबे समय से चल रहे गृह युद्ध में 1.50 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है. हूतियों ने लाल सागर के अहम बंदरगाह शहर मोखा पर कब्जा कर लिया है. इसके बाद बाब अल-मंदेब के पास कई द्वीपों पर भी अपना नियंत्रण बढ़ाया है. यह समुद्री रास्ता दुनिया के लिए बेहद अहम है. सामान्य हालात में दुनिया के करीब 12 फीसदी व्यापार की आवाजाही इसी रास्ते से होती है. हूती अब जिबूती से करीब 32 किलोमीटर की दूरी तक पहुंच चुके हैं. जिबूती में अमेरिका समेत कई देशों के सैन्य ठिकाने मौजूद हैं.द्य हूती विद्रोहियों का कहना है कि वे सऊदी अरब पर दबाव बनाने के लिए उसके जहाजों और तेल टैंकरों को निशाना बना रहे हैं. उनकी प्रमुख मांग है कि सऊदी उनके नियंत्रण वाले इलाकों पर लगी नाकाबंदी हटाए. इसी बीच सऊदी अरब की एक तेल पाइपलाइन पर भी हमला हुआ. इसकी जिम्मेदारी इराक में मौजूद ईरान समर्थित मिलिशिया पर डाली गई है. इन घटनाओं से सऊदी की चिंता बढ़ी है, क्योंकि वह दुनिया के बड़े तेल सप्लाई करने वाले देशों में शामिल है. हूती हमलों के बाद बाब अल-मंदेब से गुजरने वाले जहाजों की संख्या भी प्रभावित हुई. शिपिंग कंपनी विंडवर्ड के मुताबिक, हूतियों की बढ़त से पहले यहां रोज करीब 35 जहाज गुजरते थे. यह संख्या घटकर 25 तक पहुंच गई. हालांकि रविवार को करीब 45 जहाजों ने इस रास्ते से आवाजाही की. इसके बावजूद खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है. आशंका है कि हूती आगे सऊदी से जुड़े दूसरे जहाजों को भी निशाना बना सकते हैं. तनाव कम करने के लिए बातचीत की कोशिश भी चल रही है. पिछले हफ्ते ओमान में अमेरिका और हूती प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई. अमेरिका का कहना है कि वह लगातार सऊदी अरब के संपर्क में है. तुर्की भी ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के साथ तनाव कम करने की कोशिश कर रहा है. यह संकट सऊदी, तुर्की और पाकिस्तान के नए रक्षा समझौते की भी पहली बड़ी परीक्षा बन गया है.

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से पास कानून के बाद भारत, चीन और रूस ने जताई आपत्ति

रूस से तेल खरीद पर 100 प्रतिशत टैरिफ की तैयारी, भारत-चीन-अमेरिका आमने-सामने

नई दिल्ली। रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिकी दबाव अब एक नए मुकाम पर पहुंच गया है. अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने बुधवार को ÒLindsey O. Graham Sanctioning Russia and Iran Act of 2026' को 262-159 वोटों से पास कर दिया. इस कानून का सहारा लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति रूसी तेल खरीदने पर भारत और चीन पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगा सकते हैं. इस कानून से प्रभावित होने वाले तीन अहम देश भारत-चीन और रूस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है. भारत ने कहा है कि उसके लिए अपने नागरिकों की एनर्जी सिक्योरिटी पहली प्राथमिकता है. बीजिंग ने कहा कि अमेरिका का ये कदम 'लॉन्ग-आर्म ज्यूरिस्डिक्शन' है जिसको अंतरराष्ट्रीय कानून या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से अनुमति नहीं मिली है. वहीं कच्चा तेल बेचने वाले रूस ने इसे %गैर दोस्ताना% कदम बताया है. इस तरह से तीनों ही देशों ने स्पष्ट कर दिया है कि अमेरिकी दबाव के सामने झुकने का प्रश्न नहीं है.

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से पास यह कानून राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस की ऊर्जा और रक्षा अर्थव्यवस्था पर नए प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ रूस से तेल या गैस खरीदने वाले बड़े देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाने की शक्ति देता है. सीनेट अगस्त में ही इसे 86-11 के बहुमत से पास कर चुका है. अब अगला कदम ट्रंप के हस्ताक्षर का है. विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत अपने 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और आगे भी अलग-अलग स्रोतों से, बाजार की बदलती परिस्थितियों के आधार पर ऊर्जा खरीद जारी रखेगा. मंत्रालय ने यह भी कहा कि पिछले कुछ महीनों में अमेरिकी अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर उच्च स्तर पर बातचीत हुई है और भारत ने द्विपक्षीय संबंधों तथा वैश्विक ऊर्जा बाजार पर संभावित असर को स्पष्ट रूप से अमेरिका के सामने रखा है. अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने भारत की प्रतिक्रिया को और स्पष्ट शब्दों में व्यक्त किया. उन्होंने एक्स पर लिखा कि भारत की प्राथमिकता पीपुल्स फर्स्ट की है. क्वात्रा ने ङ्ग पर एक पोस्ट में कहा, भारत के लोगों की एनर्जी सिक्योरिटी सबसे पहले है. हमारे फैसले उपलब्धता, किफायती दाम, बाजार की स्थितियों और कमर्शियल व्यवहार्यता से तय होते हैं. अमेरिका को स्पष्ट संदेश देते हुए भारतीय राजदूत ने कहा, हमारी सोर्सिंग एक बुनियादी राष्ट्रीय जिम्मेदारी को दर्शाती है- अपने लोगों के लिए पर्याप्त, किफायती और बिना रुकावट वाली एनर्जी सुनिश्चित करने के लिए अपनी सीमाओं से बाहर देखना. उन्होंने कहा, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है और एनर्जी का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है.

फिर भी, एक औसत भारतीय ग्लोबल औसत का एक-तिहाई से भी कम और औसत अमेरिकी का दसवां हिस्सा ही एनर्जी की खपत करता है. हमारी एनर्जी की जरूरतें बढ़ेंगी और बढ़नी भी चाहिए. भारतीय राजदूत ने कहा कि भरोसेमंद और किफायती सप्लाई से घर, खेत, अस्पताल, स्कूल, कारखाने और ट्रांसपोर्ट चलते हैं; इससे लोगों की आजीविका सुरक्षित रहती है और विकास जारी रहता है.

स्कॉर्पियो के इंजन, बॉडी और स्टेपनी में बना दिया तहखाना

गोपालगंज। बिहार के गोपालगंज में शराब तस्करी का तरीका देख उत्पाद विभाग की टीम भी हैरान रह गई. तस्करों ने स्कॉर्पियो के इंजन, बॉडी, चेचिस और स्टेपनी टायर तक में गुप्त तहखाने बना रखे थे. बाहर से देखने पर गाड़ी लगभग खाली नजर आ रही थी, लेकिन टीम ने चेकिंग की तो अलग-अलग हिस्सों से शराब की खेप बरामद होने लगी. पुलिस ने स्कॉर्पियो जब्त कर दो कथित शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है. दरअसल, गोपालगंज में शराब तस्करी रोकने के लिए उत्पाद विभाग की टीम वाहन जांच कर रही थी. इसी दौरान फुलवरिया थाना क्षेत्र के बथुआ गांव के पास एक संदिग्ध स्कॉर्पियो को रोका गया. शुरुआत में गाड़ी को देखकर ऐसा नहीं लगा कि उसमें शराब की कोई बड़ी खेप छिपी हो सकती है. लेकिन उत्पाद विभाग की टीम ने जब गाड़ी की बारीकी से जांच शुरू की तो मामला कुछ और ही निकला. स्कॉर्पियो के अलग-अलग हिस्सों में ऐसे गुप्त तहखाने बनाए गए थे, जिनमें शराब छिपाकर ले जाई जा रही थी. इंजन से लेकर बॉडी, चेचिस और यहां तक कि स्टेपनी टायर में भी शराब रखने की जगह बनाई गई थी. यानी बाहर से सामान्य दिखने वाली स्कॉर्पियो अंदर से शराब ढोने के लिए तैयार की गई थी. उत्पाद अधीक्षक अमृतेश कुमार को सूचना मिली थी कि यूपी की तरफ से गोपालगंज के रास्ते शराब की बड़ी खेप बिहार लाई जा रही है.

जसप्रीत बुमराह ने रचा ऐतिहासिक कीर्तिमान, भारत में तीनों अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट में 50+ विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बने

अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 में मोहम्मद नबी का विकेट लेकर बुमराह ने पूरी की खास उपलब्धि, टेस्ट और वनडे के बाद अंतर्राष्ट्रीय टी20 में भी भारत में 50 विकेट का आंकड़ा छुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में मोहम्मद नबी को आउट करते ही बुमराह ने भारत में टी20 क्रिकेट में अपने 50 विकेट पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह दुनिया के पहले ऐसे गेंदबाज बन गए, जिन्होंने भारत में टेस्ट, वनडे और टी20, तीनों अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट में कम से कम 50 विकेट हासिल किए हैं।

बुमराह इस मुकाबले में 49 टी20 विकेट के साथ मैदान पर उतरे थे। अफगानिस्तान की पारी के दौरान उन्होंने मोहम्मद नबी को अपना शिकार बनाया और इसी विकेट के साथ भारत में उनके टी20 विकेटों की संख्या 50 हो गई। बुमराह ने मुकाबले में अपने चार ओवर के स्पेल में 25 रन देकर एक विकेट हासिल किया। उनके लिए यह विकेट सिर्फ मैच का एक विकेट नहीं था, बल्कि भारत में तीनों अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट में 50 या उससे अधिक विकेट पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी बनने का ऐतिहासिक पड़ाव भी था।

अफगानिस्तान की पारी के चौथे ओवर में बुमराह ने मोहम्मद नबी को आउट किया। नबी ने 14 गेंदों का सामना करते हुए 20 रन बनाए। बुमराह की गेंद पर श्रेयस अय्यर ने उनका कैच पकड़ा। नबी के विकेट के साथ ही बुमराह ने भारत में टी20 क्रिकेट में 50 विकेट का आंकड़ा छू लिया। इससे पहले बुमराह भारत में टेस्ट और वनडे क्रिकेट में 50 से अधिक विकेट हासिल कर चुके थे। टी20 में 50 विकेट पूरे होते ही उनके नाम तीनों फॉर्मेट में यह खास उपलब्धि दर्ज हो गई। यह रिकॉर्ड इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण है कि बुमराह ने भारत में अलग-अलग प्रारूपों में लंबे समय तक लगातार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए यह मुकाम हासिल किया है।

जसप्रीत बुमराह का भारत में तीनों अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट में प्रदर्शन उनके प्रभाव को दर्शाता है। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने भारत में 16 मैचों की 31 पारियों में 62 विकेट लिए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 6/45 रहा है और उन्होंने तीन बार एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया है। वनडे क्रिकेट में बुमराह ने भारत में 41 मैचों की 41 पारियों में 64 विकेट हासिल किए हैं। इस प्रारूप में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/35 है। भारत में वनडे क्रिकेट में उनके नाम पांच विकेट हॉल नहीं है, लेकिन 64 विकेट के साथ उन्होंने इस प्रारूप में भी 50 विकेट का आंकड़ा काफी पहले पार कर लिया था। टी20 क्रिकेट में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे मुकाबले से पहले बुमराह के नाम भारत में 49 विकेट थे। मोहम्मद नबी के विकेट के बाद उनके

टी20 विकेटों की संख्या 50 हो गई। भारत में उन्होंने 45 टी20 मैचों में 44 पारियों में गेंदबाजी की है और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 4/15 रहा है। इस प्रारूप में भी उनके नाम पांच विकेट हॉल नहीं है।

इन आंकड़ों को एक साथ देखने पर बुमराह की उपलब्धि की खासियत सामने आती है। भारत में उनके नाम टेस्ट में 62 विकेट, वनडे में 64 विकेट और टी20 में 50 विकेट हैं। यानी वह भारत में इन तीनों अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में 50 या उससे अधिक विकेट लेने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह उपलब्धि बुमराह के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट की गेंदबाजी की परिस्थितियां अलग होती हैं। टेस्ट में लंबे स्पेल और अलग तरह की गेंदबाजी रणनीति की जरूरत होती है, जबकि वनडे और टी20 में सीमित ओवरों के भीतर विकेट लेने के साथ रन रोकना भी महत्वपूर्ण होता है। बुमराह ने तीनों प्रारूपों में अपनी गेंदबाजी से निरंतर प्रभाव छोड़ा है।

बुमराह की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 में सात विकेट से जीत दर्ज की। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। भारतीय गेंदबाजों ने अफगानिस्तान को बड़ा स्कोर बनाने से रोकने के लिए लगातार दबाव बनाए रखा। 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 14.5 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने 39 रन बनाए। इसके बाद संजू सैमसन ने तेजतर्रार बल्लेबाजी करते हुए 31 गेंदों पर 57 रन की पारी खेली। ईशान किशन 38 रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। यानी सीरीज का अंतिम मुकाबला अब परिणाम की दृष्टि से भारत के लिए निर्णायक नहीं रहेगा, जबकि अफगानिस्तान के पास आखिरी मैच में वापसी का मौका होगा।

भारत में 50 टी20 विकेट पूरे करने के बावजूद जसप्रीत बुमराह इस सूची में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज नहीं हैं। भारत में सबसे ज्यादा टी20 विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में अक्षर पटेल 57 विकेट के साथ सबसे ऊपर हैं। अर्शदीप सिंह के नाम 55 विकेट हैं, जबकि अफगानिस्तान के राशिद खान ने भारत में 53 टी20विकेट हासिल किए हैं। जसप्रीत बुमराह 50 विकेट के साथ इस सूची में चौथे स्थान पर हैं। उनके बाद युजवेंद्र चहल का नाम आता है, जिन्होंने भारत में 49 टी20 विकेट लिए हैं। इस तरह बुमराह ने भारत में 50 टी20 विकेट के आंकड़े को पार करते हुए चहल को पीछे छोड़ दिया है। भारत में सबसे ज्यादा टी20 विकेट: अक्षर पटेल - 57 विकेट, अर्शदीप सिंह - 55 विकेट, राशिद खान - 53 विकेट, जसप्रीत बुमराह - 50 विकेट और युजवेंद्र चहल - 49 विकेट।

एक देश में सबसे ज्यादा टी20 विकेट लेने का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज टिम साउदी के नाम दर्ज है। साउदी ने 2008 से 2024 के बीच न्यूजीलैंड में खेले गए 68 टी20 मुकाबलों में 91 विकेट हासिल किए। यह आंकड़ा उन्हें किसी एक देश में टी20 क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शीर्ष पर रखता है। टिम साउदी ने न्यूजीलैंड में टी20 के अलावा टेस्ट और वनडे क्रिकेट में भी बड़ी संख्या में विकेट लिए। न्यूजीलैंड में उनके नाम 234 टेस्ट विकेट और 99 वनडे विकेट दर्ज हैं। इस तरह एक ही देश में अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में उनका रिकॉर्ड भी उल्लेखनीय रहा है।

इस सूची में न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी 77 टी20 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। संयुक्त अरब अमीरात में अफगानिस्तान के राशिद खान ने 76 टी20 विकेट हासिल किए हैं। वहीं, मलेशिया के वीरनदीप सिंह ने मलेशिया में 70 टी20 मैचों में 75 विकेट लिए हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 में जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। पहले मुकाबले में भी भारतीय टीम ने जीत दर्ज की थी। दूसरे मुकाबले में भारतीय बल्लेबाजों ने 160 रनों के लक्ष्य को केवल 14.5 ओवर में हासिल कर मैच को एकतरफा बना दिया।

भारतीय टीम की जीत के दौरान बुमराह की ऐतिहासिक उपलब्धि ने मुकाबले को अतिरिक्त महत्व दिया। एक तरफ भारत ने सीरीज अपने नाम करने की स्थिति मजबूत की, वहीं बुमराह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने रिकॉर्ड में एक और विशेष उपलब्धि जोड़ दी।

राशिद खान के नाम भी दर्ज है अनोखी उपलब्धि

अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान के नाम भी टी20 क्रिकेट में एक अलग तरह की खास उपलब्धि दर्ज है। वह दुनिया के इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने दो अलग-अलग देशों में कम से कम 50 टी20 विकेट हासिल किए हैं। भारत में राशिद खान के नाम 53 टी20 विकेट हैं, जबकि संयुक्त अरब अमीरात में उन्होंने 76 विकेट हासिल किए हैं। इस तरह वह दो अलग-अलग देशों में 50 या उससे अधिक टी20 विकेट लेने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

बुमराह के रिकॉर्ड की खासियत

जसप्रीत बुमराह की उपलब्धि को केवल टी20 में 50 विकेट तक पहुंचने के आंकड़े के तौर पर नहीं देखा जा सकता। उनकी खास उपलब्धि यह है कि उन्होंने भारत में टेस्ट, वनडे और टी20 तीनों फॉर्मेट में 50 से अधिक विकेट हासिल किए हैं। तीनों प्रारूपों में अलग-अलग गेंदबाजी परिस्थितियों और मैच की जरूरतों के बीच लगातार विकेट हासिल करना उनके अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारत में टेस्ट में 62, वनडे में 64 और टी20 में 50 विकेट के साथ बुमराह ने एक ऐसा आंकड़ा बनाया है, जो तीनों प्रारूपों में उनकी मौजूदगी को दर्शाता है। खास तौर पर टी20 क्रिकेट में 50 विकेट पूरे करने के लिए उन्होंने 45 मैच खेले और 44 पारियों में गेंदबाजी की।

नेपाल ने घोषित की 15 सदस्यीय क्रिकेट टीम, दीपेंद्र सिंह ऐरी को मिली कप्तानी

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल ने एशियन गेम्स 2026 की पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। ऑलराउंडर दीपेंद्र सिंह ऐरी को टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं, रोहित पौडेल टीम में शामिल हैं, लेकिन कप्तानी की जिम्मेदारी अब ऐरी संभालेंगे। ऑलराउंडर कुशल मल्ल की भी टीम में वापसी हुई है।

दीपेंद्र सिंह ऐरी एशियन गेम्स क्वालिफायर में नेपाल की कप्तानी कर चुके हैं, लेकिन किसी मल्टी-टीम टूर्नामेंट में पहली बार टीम का नेतृत्व करेंगे, जिसमें फुल मेंबर देशों की टीमें भी हिस्सा लेंगी। टी20 वर्ल्ड कप के बाद नेपाल की कप्तानी में बदलाव किया गया है। ऐरी ने रोहित पौडेल की जगह कप्तानी संभाली है। हालांकि, रोहित पौडेल को 15 सदस्यीय टीम में बरकरार रखा गया है। नेपाल के ऑलराउंडर कुशल मल्ल ने अप्रैल में वापसी के बाद शानदार फॉर्म दिखाई है। उन्होंने 130 रन बनाए हैं, जिसमें चीन के खिलाफ नाबाद 85 रन की पारी भी शामिल है। इसके अलावा, बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी से मल्ल ने छह विकेट भी हासिल किए हैं। वह नेपाल के उन छह बल्लेबाजों में शामिल हैं, जिन्होंने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 1,000 से ज्यादा रन बनाए हैं।

'फिर नाकाम हुआ तो बाहर का शोर बढ़ जाएगा': संजू सैमसन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने भारतीय क्रिकेटर होने के साथ आने वाले दबाव और उम्मीदों पर खुलकर बात की। अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 में 57 रनों की तेजतर्रार पारी खेलने के बाद सैमसन ने माना कि एक और नाकामी उन्हें बाहरी आलोचना के घेरे में ला सकती है, लेकिन अब उन्होंने इस दबाव को स्वीकार करना सीख लिया है।

संजू सैमसन ने नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 में 22 गेंदों पर 57 रन बनाए। उनकी इस पारी की मदद से भारत ने मुकाबला सात विकेट से जीतकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। सैमसन ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारतीय क्रिकेटर के लिए नाकामी से निपटना आसान नहीं होता, लेकिन अनुभव ने उन्हें बाहरी प्रतिक्रियाओं के बजाय अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना सिखाया है।

उन्होंने कहा, 'भारतीय क्रिकेटर होने के नाते नाकामी का सामना करना आसान नहीं है, लेकिन ऐसे समय में मेरा अनुभव काम आता है। मैं कोशिश करता हूं कि बाहरी शोर को खुद से दूर रखूं, आत्मविश्वास बनाए रखूं और उसी तरह खेलूं, जैसे मैं खेलना चाहता हूं। मैं ऊंचे स्ट्राइक रेट से रन बनाने की कोशिश करता हूं और जोखिम भी उठाता हूं। मुझे पता होता है कि अगर मैं फिर नाकाम हुआ, तो मुझे दोबारा काफी शोर का सामना करना पड़ेगा। लेकिन भारतीय क्रिकेट में शायद हम इसी तरह तैयार होते हैं। मैं मैदान पर जाकर अधिक से अधिक रन बनाने और टीम के लिए योगदान देने की कोशिश करता हूं।'

31 वर्षीय बल्लेबाज ने माना कि भारत के आक्रामक अंदाज में खेलने से जोखिम जुड़ा हुआ है। उनके मुताबिक पिछले दो-तीन वर्षों में टीम ने जिस शैली को अपनाया है, वह काफी सफल रही है और अब खिलाड़ी उसी रणनीति पर आगे बढ़ रहे हैं। सैमसन ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह इस फॉर्मेट की प्रकृति है। पिछले दो-तीन वर्षों से हम जिस तरह का क्रिकेट खेल रहे हैं, यह उसी का हिस्सा है। अब हम विश्व चैंपियन हैं और हमारे पास एक ऐसा तरीका और अप्रोच है, जो काफी सफल रहा है। इसलिए हम उसी शैली को आगे बढ़ा रहे हैं। पावरप्ले में गेंद को देखकर अधिक से अधिक रन बनाने की कोशिश करते हैं। कभी यह तरीका अच्छी तरह काम करता है और कभी नहीं करता।'

यूपीआई पर शुल्क के ऐलान का शेयर बाजार पर असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.40 प्रतिशत व्यापारी छूट दर यानी एमडीआर लागू किए जाने के ऐलान के बाद बुधवार को भुगतान कंपनियों के शेयरों में तेजी देखने को मिली। पेटीएम का शेयर करीब 6 प्रतिशत बढ़कर 1,829 रुपये पर पहुंच गया। वहीं, वन मोबिक्विक सिस्टम्स का शेयर 5 प्रतिशत से अधिक उछलकर 213 रुपये पर पहुंच गया। पाइन लैब्स के शेयर में भी करीब 3 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई और यह राष्ट्रीय शेयर बाजार में 199 रुपये पर कारोबार कर रहा था। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम यानी एनपीसीआई की घोषित नई व्यवस्था के तहत 15 अक्टूबर से कुछ व्यक्ति से व्यापारी यानी पी2एम यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लागू होगा। 2,000 रुपये से अधिक के पात्र व्यापारी भुगतान पर दुकानदार को 0.40 प्रतिशत शुल्क देना होगा। 75,000 रुपये या उससे अधिक के भुगतान पर एमडीआर की अधिकतम राशि 300 रुपये तय की गई है।

भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने बड़े यूपीआई व्यापारी लेनदेन पर एमडीआर लागू करने का समर्थन किया है। केंद्रीय बैंक के अनुसार, इससे डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लंबे समय में आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाने में मदद मिल सकती है।

आईपीएल 2027 की नीलामी भारत में होगी, बीसीसीआई का बड़ा फैसला; इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर अभी भी सस्पेंस

दुबई, जेद्दा और अबू धाबी के बाद नीलामी की भारत में होगी वापसी, आयोजन स्थल वाले शहर का नाम अभी तय नहीं; करीब एक महीने बाद नियम पर हो सकता है अंतिम फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 को लेकर बड़ा फैसला किया है। आईपीएल संचालन परिषद की बैठक में तय किया गया कि आईपीएल 2027 की छोटी नीलामी भारत में ही आयोजित की जाएगी। पिछले कुछ वर्षों में आईपीएल की नीलामी दुबई, जेद्दा और अबू धाबी जैसे विदेशी शहरों में आयोजित की गई थी, लेकिन अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने आगामी नीलामी को फिर से भारत लाने का निर्णय लिया है।

यह नीलामी छोटी नीलामी होगी, जिसमें फ्रैंचाइजी अपनी टीम की जरूरत के अनुसार खिलाड़ियों को खरीदने के लिए बोली लगाएंगी। भारत में आयोजन कराने के फैसले को टीमों की व्यवस्थागत और संचालन संबंधी चिंताओं से भी जोड़कर देखा जा रहा है। विदेशी शहरों में नीलामी के दौरान टीम मालिकों, अधिकारियों और प्रतिनिधियों को यात्रा, होटल और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर अतिरिक्त तैयारियां करनी पड़ती हैं।

आईपीएल की नीलामी पहले भारत में ही आयोजित होती रही है। वर्ष 2023 की नीलामी कोच्चि में आयोजित की गई थी। इसके बाद हाल के वर्षों में नीलामी के लिए विदेशी शहरों को चुना गया। दुबई, जेद्दा और अबू धाबी में आईपीएल नीलामी आयोजित की जा चुकी है। अब संचालन परिषद ने आगामी छोटी नीलामी के लिए भारत को आयोजन स्थल बनाने का निर्णय लिया है।

हालांकि, नीलामी भारत के किस शहर में आयोजित की जाएगी, इसका अंतिम फैसला अभी नहीं हुआ है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड को शहर का चयन करते समय टीमों के प्रतिनिधियों के ठहरने, बैठक और आयोजन से जुड़ी अन्य सुविधाओं की उपलब्धता को ध्यान में रखना होगा। भारत में नीलामी कराने के निर्णय के पीछे फ्रैंचाइजी की व्यवस्थागत चिंताओं को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में विदेशी शहरों में नीलामी आयोजित होने के कारण टीमों को अपने प्रतिनिधियों की यात्रा और ठहरने की व्यवस्था के साथ-साथ आयोजन स्थल तक पहुंचने और अन्य संचालन संबंधी जरूरतों पर भी ध्यान देना पड़ा। बताया गया है कि पिछले साल अबू धाबी में हुई नीलामी के दौरान फ्रैंचाइजी की ओर से सामने आई ऐसी चिंताओं पर विचार किया गया था। इसके बाद आईपीएल संचालन परिषद की बैठक में इस साल की छोटी नीलामी भारत में कराने का फैसला किया गया। भारत में आयोजन होने के कारण फ्रैंचाइजी प्रतिनिधियों के लिए यात्रा और अन्य व्यवस्थाएं देश के भीतर ही पूरी की जा सकेंगी। हालांकि, नीलामी जैसे बड़े आयोजन के लिए पर्याप्त होटल और अन्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना भारतीय क्रिकेट बोर्ड के लिए अभी भी अहम चुनौती रहेगी। आईपीएल 2027 की नीलामी भारत में कराने का फैसला हो चुका है, लेकिन आयोजन के लिए किस शहर को चुना जाएगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। शहर का चयन करते समय फ्रैंचाइजी और उनके प्रतिनिधिमंडलों के लिए पर्याप्त होटल, बैठक कक्ष तथा आयोजन से जुड़ी दूसरी सुविधाओं को ध्यान में रखा जाएगा। नीलामी के दौरान सभी टीमों के प्रतिनिधि और आयोजन से जुड़े अधिकारी मौजूद रहते हैं। ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों के ठहरने के लिए पर्याप्त कमरे उपलब्ध होना जरूरी होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड को कुछ रातों के लिए 100 से अधिक कमरों की आवश्यकता पड़ सकती है।

आईपीएल संचालन परिषद की अगली बैठक इस मामले में महत्वपूर्ण हो सकती है। मौजूदा बैठक में नीलामी भारत में कराने का फैसला कर लिया गया है, लेकिन इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर अंतिम निर्णय टाल दिया गया है। करीब एक महीने बाद होने वाली संभावित बैठक में इस विषय पर दोबारा चर्चा की जाएगी। इसके अलावा नीलामी के आयोजन वाले शहर का चयन भी आगे की प्रक्रिया का हिस्सा होगा। शहर चुनते समय होटल की उपलब्धता, टीम प्रतिनिधियों के ठहरने की व्यवस्था और आयोजन से जुड़ी सुविधाओं को प्रमुखता दी जाएगी। हाल के वर्षों में आईपीएल नीलामी के लिए दुबई, जेद्दा और अबू धाबी जैसे विदेशी शहरों का इस्तेमाल किया गया था। अब भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने छोटी नीलामी को भारत में आयोजित करने का फैसला किया है। इससे आईपीएल की नीलामी एक बार फिर भारतीय आयोजन स्थल पर लौटेगी। हालांकि, नीलामी के लिए शहर और तारीख से जुड़ी अंतिम जानकारी अभी सामने आना बाकी है। आयोजन की तैयारियों में होटल व्यवस्था और टीम प्रतिनिधियों के ठहरने की क्षमता जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण रहेंगे।

आईपीएल 2027 की तैयारी के बीच नीलामी का आयोजन स्थल और इम्पैक्ट प्लेयर नियम दो प्रमुख मुद्दे बने हुए हैं। नीलामी भारत में होगी, यह तय हो चुका है, लेकिन किस शहर में होगी, इसका फैसला अभी बाकी है। वहीं, इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर संचालन परिषद ने अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया है। कुछ फ्रैंचाइजी नियम को जारी रखने की बात कर रही हैं, जबकि ज्यादातर टीमों के इसके खिलाफ होने की जानकारी सामने आई है। ऐसे में अगली बैठक में इस मुद्दे पर होने वाली चर्चा महत्वपूर्ण होगी।

अक्टूबर से दिसंबर के बीच शादी का मौसम बड़ी चुनौती

नीलामी स्थल के चयन में अक्टूबर से दिसंबर के बीच आने वाला शादी का मौसम भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस अवधि में देश के कई प्रमुख शहरों में बड़े होटलों की मांग बढ़ जाती है। खास तौर पर पांच सितारा होटलों में शादियों और अन्य बड़े आयोजनों के कारण कमरों की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड को ऐसा शहर चुनना होगा, जहां आईपीएल टीमों के मालिकों, प्रतिनिधियों और आयोजन से जुड़े अधिकारियों के लिए पर्याप्त कमरे उपलब्ध हों। होटल की उपलब्धता के साथ आयोजन स्थल और दूसरी व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए शहर का अंतिम चयन किया जाएगा।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर अभी अंतिम फैसला नहीं

आईपीएल 2027 को लेकर दूसरा बड़ा मुद्दा इम्पैक्ट प्लेयर नियम है। संचालन परिषद की बैठक में इस नियम पर चर्चा हुई, लेकिन अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। नियम को जारी रखा जाएगा, इसमें बदलाव किया जाएगा या इसे समाप्त किया जाएगा, इस पर फिलहाल स्थिति स्पष्ट नहीं है। इस मुद्दे पर चर्चा के लिए करीब एक महीने बाद संचालन परिषद की एक और बैठक होने की उम्मीद है। अगली बैठक में इम्पैक्ट प्लेयर नियम के भविष्य पर विस्तार से विचार किया जा सकता है। इसके बाद ही इस नियम को लेकर अंतिम फैसला सामने आने की संभावना है।

ज्यादातर फ्रैंचाइजी नियम के खिलाफ

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर आईपीएल की सभी टीमों की राय एक जैसी नहीं है। माना जा रहा है कि ज्यादातर फ्रैंचाइजी इस नियम के खिलाफ हैं। हालांकि, कुछ टीमों का मानना है कि इस नियम को कम से कम एक और सत्र के लिए जारी रखा जा सकता है। कुछ फ्रैंचाइजी का तर्क है कि उन्होंने मौजूदा नियम को ध्यान में रखकर अपनी टीमों का गठन किया है। खिलाड़ियों के चयन और टीम संयोजन की रणनीति भी इसी व्यवस्था के आधार पर तैयार की गई है। ऐसे में नियम को अचानक हटाने के बजाय अगले वर्ष तक इसे जारी रखना उनके लिए एक विकल्प हो सकता है।

नियम हटने या जारी रहने से बदल सकती है टीमों की रणनीति

इम्पैक्ट प्लेयर नियम का इस्तेमाल टीमों को मैच के दौरान एक अतिरिक्त खिलाड़ी को अलग भूमिका में मैदान पर उतारने का विकल्प देता है। इस व्यवस्था के कारण टीमों को खिलाड़ियों के चयन और मुकाबले के दौरान उनके इस्तेमाल की रणनीति में अलग तरह की योजना बनाने का अवसर मिलता है। इसी वजह से नियम के भविष्य को लेकर फ्रैंचाइजी की दिलचस्पी बनी हुई है। यदि नियम में बदलाव किया जाता है तो टीमों को अपनी रणनीति में भी उसके अनुसार परिवर्तन करना पड़ सकता है। वहीं, नियम जारी रहने की स्थिति में टीमें मौजूदा व्यवस्था के अनुसार अपनी तैयारी आगे बढ़ा सकती हैं।

संपादकीय

प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज

नेपाल की त्रासदी का संदेश है कि प्राकृतिक तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुरक्षा की बलि देना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना संभव नहीं रह जाएगा।

ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण ग्लेशियर पिघल रहे हैं, यह चर्चा दशकों पुरानी हो चुकी है। इसके क्या घातक परिणाम होंगे, इसको लेकर वैज्ञानिक चेतावनियां भी आम चर्चा में रही हैं। कई दिन की जांच-पड़ताल के बाद अब यह साफ है कि नेपाल में 26 अगस्त को जो हुआ, वह उन चेतावनियों का ही साकार रूप लेना था। इसीलिए उस रोज हुई ग्लेशियर टूटने की घटना को महज प्राकृतिक आपदा के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। स्पष्टतः यह हिमालय के पारिस्थितिकी तंत्र पर जलवायु परिवर्तन के हुए प्रभाव का परिणाम है। इसलिए यह एक गंभीर चेतावनी है। इसे ध्यान में रखना चाहिए कि ग्लेशियल झील के फटने से आने वाली बाढ़ जैसी त्रासदियां अनहोनी का हो जाना भर नहीं हैं। बल्कि ये इनसान की अ-दूरदर्शिता का सीधा परिणाम हैं।

26 अगस्त को नेपाल-चीन सीमा के पास लांगटांग लिरुंग क्षेत्र में एक विशाल ग्लेशियर अचानक खिसक गया। यह घटना लगभग 5,200 मीटर की ऊंचाई पर हुई। ग्लेशियर टूट कर लगभग 1,200 मीटर नीचे स्थित घाटी में गिरा। उसके प्रभाव से तीव्र घर्षण पैदा हुआ और अत्यधिक बर्फ पिघलकर गारे और चट्टानों के साथ बह निकली। यह घटना बताती है कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हर पल मॉनिटरिंग और उपग्रह आधारित निगरानी की कितनी कमी है। समय पर हिमनद झील के बढ़ते जलस्तर का आकलन कर निचले इलाकों के लिए चेतावनी जारी कर दी जाती, तो जान-माल के नुकसान को सीमित किया जा सकता था। यह भी गौरतलब है कि हिमालय जैसे पारिस्थिकीय नजरिए से नाजुक क्षेत्र में बिना ठोस पर्यावरणीय प्रभाव का मूल्यांकन किए पनबिजली परियोजनाओं, सड़कों, और सुरंगों का अंधाधुंध निर्माण किया जा रहा है। इससे ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने का जोखिम कई गुना बढ़ा है।

उधर बढ़ते वैश्विक तापमान के कारण हिमनद तेजी से पिघलकर खतरनाक झीलों का रूप ले रहे हैं। कुल मिलाकर इस त्रासदी का संदेश है कि प्रकृति के तकाजों को नजरअंदाज करने का समय बीत चुका है। विकास के नाम पर पर्यावरणीय सुरक्षा की बलि देना और जलवायु परिवर्तन संबंधी चेतावनियों को नजरअंदाज करना जारी रहा, तो ऐसी घटनाओं से बचना अब संभव नहीं रह गया है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से भारत को क्या लाभ?

दिनांक 12 एवं 13 सितम्बर 2026 को ब्रिक्स का 18वां शिखर सम्मेलन दिल्ली के भारत मंडपम में सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया। ब्रिक्स का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक सहयोग बढ़ाना है। इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों के साथ ही 10 अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष, प्रधानमंत्री एवं उच्च स्तर के अधिकारी शामिल हुए। वर्ष 2025-26 के लिए भारत को ब्रिक्स का अध्यक्ष बनाया गया था, अतः भारत ने इस वर्ष ब्रिक्स सम्मेलन की मेजबानी एवं अध्यक्षता की। ब्रिक्स के माध्यम से विश्व की 11 प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं एवं विकासशील देशों को एक मंच प्रदान किया जाता है। ब्रिक्स में शामिल देशों की कुल आबादी विश्व की कुल जनसंख्या का 49.5 प्रतिशत है और विश्व के कुल सकल घरेलू उत्पाद में 40 प्रतिशत की हिस्सेदारी है तथा वैश्विक व्यापार में 26 प्रतिशत की भागीदारी है। इससे वैश्विक स्तर पर ब्रिक्स का महत्व स्वयं ही स्पष्ट हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देश आपस में आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और वित्तीय स्थिति, दूरसंचार, कृषि, श्रम, रोजगार, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संरचना, व्यापार और विश्व व्यापार संगठन सहित वैश्विक मुद्दों पर विचार विमर्श करते है।

इस वर्ष के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की थीम 'लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' रखी गई थी। शिखर सम्मेलन में 45 पन्नों एवं 140 बिंदुओं के 'नई दिल्ली घोषणापत्र' को समस्त सदस्य देशों द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया था। इस सम्मेलन की यह सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है, क्योंकि इस सम्मेलन में आपस में कुछ विरोधाभासी विचार रखने वाले देश (ईरान, साऊदी अरब एवं संयुक्त अरब अमीरात) भी शामिल थे। ईरान के राष्ट्रपति एवं यूएई के राष्ट्रपति के बीच शिखर सम्मेलन के बीच आपस में वार्ता सम्पन्न हुई थी, जबकि दोनों देशों के बीच अमेरिका-ईरान युद्ध के संदर्भ में तनाव की स्थिति कायम है।

आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि ब्रिक्स की स्थापना अमेरिका में हुई है। वर्ष 2006 में न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के मौके पर ब्रिक विदेश मंत्रियों की पहली बैठक में ब्रिक को औपचारिक रूप दिया गया था। ब्रिक का पहिला उद्घाटन शिखर सम्मेलन वर्ष 2009 में रूस के येकातेरिनबर्ग में आयोजित किया गया था। वर्ष 2010 में न्यूयॉर्क में ब्रिक विदेश मंत्रियों की बैठक में दक्षिण अफ्रीका को शामिल करने के साथ ब्रिक को ब्रिक्स में विस्तारित करने पर सहमति हुई थी। तदनुसार, दक्षिण अफ्रीका ने 2011 में सान्या में तीसरे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लिया। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जनवरी 2024 से और इंडोनेशिया जनवरी 2025 में ब्रिकस के पूर्ण सदस्य बने। इसके बाद बेलारूस, बोलीविया, कजाकिस्तान, क्यूबा, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम 2025 में भागीदार देशों के रूप में ब्रिक्स में शामिल हुए।

भारत के प्रधानमंत्री ने अपने उदबोधन में उक्त ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में कई आवश्यक एवं महत्वपूर्ण विषयों की ओर समस्त सदस्यों का ध्यान आकर्षित किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने विभिन्न देशों से अमेरिका को होने वाले कई उत्पादों के निर्यात पर भारी भरकम टैरिफ लगाया था, इसी प्रकार चीन ने भी आवश्यक मिनरल के निर्यात पर कुछ प्रतिबंध लगाए थे, इस प्रकार की स्थित पुनः न बनें इस हेतु यह सुझाव दिया गया है कि तकनीकी एवं आवश्यक मिनेरल्स को विभिन्न देशों द्वारा हथियार की तरह इस्तेमाल नहीं करना चाहिए इसका सीधा सीधा विपरीत प्रभाव विकासशील देशों के विकास पर पड़ता है। जब हम वैश्विक स्तर पर एक परिवार की बात करते हैं तो प्राकृतिक संसाधनों पर इस धरा पर निवासरत पूरी मानवजाति का समान अधिकार है। इसके उपयोग को कुछ देशों द्वारा रोका नहीं जाना चाहिए। भारतीय सनातन संस्कृति में तो प्रकृति को मां के समान माना जाता है, अतः प्रकृति का शोषण नहीं बल्कि आवश्यकता अनुसार दोहन होना चाहिए। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन भी आवश्यक है। विकास और पर्यावरण एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं केवल आवश्यता है कि दोनों के बीच संतुलन स्थापित किया जाय। हाल ही के समय में महामारी, जलवायु आपदाओं एवं सप्लाई चैन में रुकावटों ने दिखाया है कि विभिन्न देश एक दूसरे पर किस प्रकार निर्भर है। एक देश में आया संकट दूसरे देश को भी प्रभावित करता हुआ दिखाई दे रहा है। ब्रिक्स के सदस्य देशों को आपस में सहयोग बढ़ाने तथा सप्लाई चैन को मजबूती प्रदान करने की ओर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

दक्षिण-एशियाईऔर प्रवासी

ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच आपस में छोटे कारोबारों को बढ़ावा दिए जाने के प्रयास किए जाने चाहिए और उन्हें नए बाजार और पर्याप्त वित्त की सुविधा उपलब्ध कराए जाने के प्रयास भी होने चाहिए ताकि रोजगार के नए अवसर निर्मित हों और अंतिम पंक्ति पर खड़े नागरिकों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया जा सके। इसके लिए 'ब्रिक्स कनेक्ट' के माध्यम से गरीब नागरिकों को काम के लिए आवश्यक कौशल सीखने, रोजगार के अवसर बढ़ाने एवं मातृशक्ति को अधिक काम के मौके देने का प्रयास किया जाना चाहिए। छोटे कारोबारियों को मदद पहुंचाने के उद्देश्य से BRICS MSME पोर्टल प्रारम्भ किया गया है। इससे छोटे कारोबारी नए बाजारों से जुड़ सकेंगें। ब्रिक्स देशों में कार्य कर रहे स्टार्टअप्स को आपस में जोड़ने के लिए ब्रिक्स इनक्युबेटर नेट्वर्क बनाया जा सकता है। इसी प्रकार, नए और बड़े स्तर के नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड भी बनाया जा सकता है। ब्रिक्स देश आपस में कारोबार को सरल बनाने के उद्देश्य से स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं और अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल कम करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके साथ साथ, अलग अलग देशों के ऑनलाइन डिजिटल पेमेंट सिस्टम को आपस में जोड़ने का प्रयास भी किया जा रहा है। इससे एक देश के नागरिकों को दूसरे देश के नागरिकों को राशि भेजना बहुत आसान होगा और अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता कम होगी।

ब्रिक्स स्थापना से भारत को विशेष लाभ हुआ है। सामरिक दृष्टि से भारत का वैश्विक स्तर पर महत्व बढ़ा है। भारत आज न केवल ब्रिक्स बल्कि जी-20, जी-7, क्वाड, एससीओ जैसे वैश्विक संस्थानों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इससे वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ी है एवं अन्य देश आंज भारत की आवाज को गम्भीरता से सुन रहे हैं। विभिन्न देशों के नागरिक आज सनातन संस्कृति के संस्कारों को अपनाने हेतु लालायित हैं क्योंकि इस संदर्भ में भारत के व्यवहार से ये देश अत्यधिक प्रभावित हैं। साथ ही, भारत को कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी होने जा रहे हैं और भारत में विदेशी निवेश बढ़ने की सम्भावना बनी है। ब्रिक्स के 21 सदस्य देशों के बीच आपसी समझदारी बढ़ी है और इससे इन देशों के बीच आर्थिक साझेदारी भी बढ़ेगी। आतंकवाद के खिलाफ मजबूत संदेश गया है कि भारत किसी भी कीमत पर आतंकवाद को पनपने नहीं देगा। नई दिल्ली घोषणापत्र में रूस एवं चीन सहित समस्त ब्रिक्स सदस्य देशों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा भी की है। इसमें यह भी कहा गया है कि आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्यवाही करनी चाहिए।

सरकारी जमीनों पर गैरकानूनी निर्माण सिस्टम की नाकामी है

दिल्ली हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन ने वर्ष 2024 में कहा था कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण डकैती से भी बड़ा अपराध है। तंज कसते हुए उन्होंने कहा था कि इंडिया गेट खरीदकर वहां भी अवैध घर बनाया जा सकता है।

दिल्ली में अवैध निर्माण रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 2006 में निगरानी समिति बनाई थी। लेकिन अतिक्रमण और हादसों से साफ है कि भ्रष्ट-तंत्र के आगे संविधान और अदालतें दोनों पस्त हैं। 2019 में सुप्रीम कोर्ट के जज अरुण मिश्रा और दीपक गुप्ता की पीठ ने कहा था कि कानून का पालन करने वाले देश में तकलीफें झेलते हैं, जबकि अवैध निर्माण करने वालों को रियायतें मिलती जाती हैं। इससे जुड़े 4 कानूनी पहलुओं को समझना जरूरी है :

1. दिल्ली के सत्य निकेतन में बिल्डिंग मालिक और पीजी संचालक ने नींव कमजोर होने की जानकारी के बावजूद निर्माण कराया। इसके लिए 81 साल के पूर्व वायुसेना अधिकारी और उनकी 75 साल की पत्नी को अदालत ने 14 दिन के लिए जेल भेजा। तीन महीने पहले हौजरानी में आग से जलने वाले 5 मंजिला होटल को भी एमसीडी के अफसरों ने ही चाय की दुकान के नाम पर लाइसेंस दिया था। उसके बाद मंत्री आशीष सूद ने कहा था कि अवैध निर्माण करने वालों को 2 साल की जेल होगी। लेकिन अवैध निर्माण करवाने वाले निगम अधिकारी और सरकारी बिल्डिंग में आग के जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं होती। बड़े हादसे के बाद छोटे लोगों को जेल और बड़े खिलाड़ियों को बचाने का खेल खत्म होना चाहिए।

2. रक्षा मंत्रालय के अनुसार देश में 10 हजार एकड़ भूमि पर अवैध कब्जे हैं। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल रिपोर्ट के अनुसार फरीदाबाद में 780 एकड़ वन्य भूमि पर अवैध निर्माण हैं। दिल्ली में डीडीए के लैंड पूलिंग एरिया में 3500 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन पर अवैध निर्माण है। महाराष्ट्र के ठाणे में 2021 में एक इमारत ढह जाने के बाद अवैध निर्माणों के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेकर हाईकोर्ट ने पीआईएल पर सुनवाई शुरू की थी। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता ने इसके लिए राज्य सरकार और बीएमसी को फटकार लगाते हुए कहा था कि सरकारी जमीन कार्यपालिका की पैतृक सम्पत्ति नहीं है और उस पर मनमाने तरीके से अवैध बस्ती बनाने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

3. हरियाणा में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो 2600 अनधिकृत कॉलोनियों की जांच कर रहा है। फरवरी 2021 में हरियाणा के ही एक अन्य मामले में जस्टिस चन्द्रचूड़ के फैसले के अनुसार सरकारी जमीन में अवैध निर्माण को नियमित नहीं किया जा सकता। लेकिन बस्तियों की अवैध बसाहट के खेल से माफिया को बड़ी आमदनी होती है, वहीं नेताओं का भी वोटबैंक मजबूत होता है। दिल्ली में 2022 तक बनी 1731 अवैध कॉलोनियों में 45 लाख लोग रहते हैं, जिन्हें नियमित किया जा रहा है। भोपाल में 2022 के सर्वे में 576 अवैध कॉलोनियां मिली थीं। उसके बाद डेढ़ साल में 300 नई अवैध कॉलोनियां बस गईं। मध्य प्रदेश सरकार ने मार्च 2024 में कहा था कि अवैध कॉलोनी काटने वालों पर रासुका लगाने के साथ जोनल अफसर और पटवारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।

4. नई दिल्ली में लुटियंस बंगला जोन नियमों के अनुसार पुराने बंगलों में नए फ्लोर नहीं बन सकते। लेकिन उस इलाके में नया संसद भवन, सचिवालय, पुलिस मुख्यालय, भारत मंडपम जैसी वीआईपी इमारतों का निर्माण हो गया। सांसदों-मंत्रियों के बंगलों को पोटा केबिन से बढ़ाया गया है। अवैध निर्माण के छोटे मामलों में जुर्माना लगाकर नियमितीकरण करने से भ्रष्टाचार में कमी आने के साथ ही जनता का उत्पीड़न भी रुकेगा। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण और अवैध बस्तियों के संगठित माफिया के लिए जिम्मेदार तंत्र की जवाबदेही तय करनी जरूरी है। अवैध निर्माण करने वालों को तो सजा हो जाती है, पर अवैध निर्माण करवाने वालों और हादसों के जिम्मेदार अफसरों पर कोई आपराधिक कार्रवाई नहीं होती। बड़े हादसे के बाद छोटे लोगों को जेल और बड़े खिलाड़ियों को बचाने का यह खेल अब खत्म होना चाहिए।

क्या राजनीतिक सोच ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पीछे धकेल दिया?

भारतीय शिक्षा और ज्ञान परंपरा को लेकर बहस लंबे समय से जारी है। सवाल केवल यह नहीं है कि स्कूलों और विश्वविद्यालयों में क्या पढ़ाया जा रहा है, बल्कि यह भी है कि भारतीय सभ्यता और उसके प्राचीन ज्ञान-ग्रंथों को आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में किस नजरिए से देखा जाता है। शंकर शरण अपने लेख में इसी मुद्दे को मनुस्मृति, शिक्षा के राजनीतिकरण और स्वतंत्र भारत की बौद्धिक दिशा से जोड़ते हैं। उनका तर्क है कि किसी भी प्राचीन ग्रंथ के पक्ष या विरोध में राय बनाने से पहले उसका गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिए।

लेखक विशेष रूप से मनुस्मृति का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि इसके आलोचकों में से कई लोग संभवत: इसके मूल पाठ का पर्याप्त अध्ययन नहीं करते। उनके अनुसार, मनुस्मृति के राज्य और शासन से संबंधित अध्यायों में शासन व्यवस्था, राजा के कर्तव्यों और सामाजिक जीवन से जुड़े अनेक विषयों पर विस्तृत चिंतन मिलता है। वह इसे भारतीय बौद्धिक परंपरा के महत्वपूर्ण ग्रंथों में शामिल करते हैं।

मनुस्मृति में सृष्टि, दर्शन, धर्म, जीवन के विभिन्न विधि-विधान, गृहस्थ जीवन, विवाह, स्त्री, राजा और राज्य के संबंध, सामाजिक कर्तव्य, प्रायश्चित, कर्मफल, मोक्ष और परमात्मा चिंतन जैसे अनेक विषयों का उल्लेख मिलता है। विभिन्न संस्करणों और प्रकाशनों में इसके श्लोकों की संख्या अलग-अलग बताई गई है। लेखक के अनुसार, डेढ़ हजार से लेकर ढाई हजार तक श्लोक विभिन्न संस्करणों में मिलते हैं और इनमें कई श्लोकों को विद्वानों ने प्रक्षिप्त माना है। इन श्लोकों की प्रामाणिकता और मूल पाठ को लेकर विद्वानों में मतभेद भी रहे हैं।

शंकर शरण अपने लेख में स्वामी दयानंद सरस्वती और स्वामी विवेकानंद का भी संदर्भ देते हैं। उनका कहना है कि इन दोनों महापुरुषों के चिंतन और सामाजिक कार्य पर वेद, उपनिषद और मनुस्मृति सहित भारतीय शास्त्रीय परंपरा का प्रभाव था। विशेष रूप से स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा मनुस्मृति को समाज-सुधार के संदर्भ में महत्व दिए जाने का उल्लेख करते हुए लेखक सवाल उठाते हैं कि यदि इस ग्रंथ को केवल जातिवादी या स्त्री-विरोधी दृष्टिकोण से देखा जाए तो स्वामी दयानंद के व्यापक सामाजिक सुधार आंदोलन के संदर्भ को किस तरह समझा जाएगा।

मनुस्मृति को लेकर आधुनिक समय में हालांकि अलग-अलग विद्वानों और सामाजिक विचारकों की अलग-अलग राय रही है। इसके सामाजिक प्रावधानों, वर्ण व्यवस्था, स्त्रियों की स्थिति और अन्य विषयों पर गंभीर आलोचनाएं भी की गई हैं। इसलिए इस ग्रंथ का मूल्यांकन करते समय उसके ऐतिहासिक संदर्भ, अलग-अलग पाठों और विभिन्न विद्वानों की व्याख्याओं को ध्यान में रखना आवश्यक है।

लेख का एक महत्वपूर्ण हिस्सा शिक्षा के राजनीतिकरण को लेकर लेखक की चिंता पर केंद्रित है। शंकर शरण का आरोप है कि स्वतंत्र भारत में शिक्षा धीरे-धीरे राजनीतिक विचारधाराओं से प्रभावित होती गई। उनके अनुसार, इसका परिणाम यह हुआ कि कई क्षेत्रों में स्वतंत्र चिंतन, योग्यता और ज्ञान की जगह किसी विशेष विचारधारा के अनुरूप होने को अधिक महत्व मिलने लगा।

लेखक का कहना है कि शिक्षा का उद्देश्य किसी राजनीतिक विचार या नेता के विचारों का प्रचार करना नहीं होना चाहिए। यदि विद्यार्थियों को किसी एक विचारधारा को अंतिम सत्य मानकर पढ़ाया जाता है तो उनके स्वतंत्र चिंतन की क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसी तरह शोध के क्षेत्र में भी यदि विषय और निष्कर्ष पहले से तय राजनीतिक आग्रहों के अनुरूप निर्धारित किए जाएं तो शोध और प्रचार के बीच अंतर कम होने का खतरा रहता है।

शंकर शरण इस स्थिति को केवल शिक्षा तक सीमित नहीं मानते। उनका कहना है कि जब किसी समाज में राजनीतिक विचारधारा ज्ञान के मूल्यांकन का प्रमुख आधार बन जाती है तो उसका असर शोध, विश्वविद्यालयों, अध्यापन और सार्वजनिक विमर्श सहित कई क्षेत्रों में दिखाई दे सकता है। वह इसे ऐसी स्थिति के रूप में देखते हैं जिसमें वास्तविक विद्वता की जगह राजनीतिक या वैचारिक निष्ठा को प्राथमिकता मिलने लगती है।

लेख में ब्रिटिश शासन के दौरान विकसित शिक्षा व्यवस्था की तुलना स्वतंत्र भारत की शिक्षा व्यवस्था से भी की गई है। लेखक का दावा है कि ब्रिटिश काल में स्थापित स्कूलों और कॉलेजों में यूरोपीय ज्ञान के साथ भारतीय साहित्य और दर्शन को भी पढ़ने का अवसर मिलता था। वह पुराने पुस्तकालयों में मौजूद पाठ्य सामग्री और उस दौर के भारतीय विद्वानों के लेखन को इसका आधार बताते हैं।

हालांकि, ब्रिटिश शासन की शिक्षा नीति को लेकर इतिहासकारों के बीच अलग-अलग दृष्टिकोण रहे हैं। औपनिवेशिक शिक्षा व्यवस्था के उद्देश्यों, उसकी सीमाओं और भारतीय समाज पर उसके प्रभाव का मूल्यांकन एक जटिल ऐतिहासिक विषय है। इसलिए ब्रिटिश काल और स्वतंत्र भारत की शिक्षा व्यवस्था की तुलना को लेखक के विश्लेषण के रूप में देखा जाना चाहिए।

शंकर शरण स्वतंत्र भारत की व्यवस्था के लिए 'देसी राज' शब्द का इस्तेमाल करते हैं। उनका आरोप है कि मौजूदा व्यवस्था में प्रतिभा, योग्यता और स्वतंत्र चिंतन को पर्याप्त महत्व नहीं मिलता। वह उन विद्यार्थियों और अध्यापकों की स्थिति का भी उल्लेख करते हैं जिन्हें उनके अनुसार देश में पर्याप्त अवसर नहीं मिलते और वे बेहतर अवसरों के लिए विदेश जाने को मजबूर होते हैं।

लेखक का मानना है कि किसी देश के लिए प्रतिभा और ज्ञान का महत्व केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों तक सीमित नहीं होता। वैज्ञानिक, शिक्षक, शोधकर्ता और विद्वान किसी भी समाज की बौद्धिक क्षमता को मजबूत करते हैं। ऐसे लोगों को उचित अवसर और प्रोत्साहन नहीं मिलने पर शिक्षा तथा शोध व्यवस्था को नुकसान हो सकता है।

लेख में मनुस्मृति पर होने वाली राजनीतिक बहस को भी इसी संदर्भ में देखा गया है। लेखक का कहना है कि कई बार राजनीतिक नेता किसी ग्रंथ का अध्ययन किए बिना ही उसके समर्थन या विरोध को राजनीतिक संदेश के रूप में इस्तेमाल करते हैं। उनके अनुसार, किसी पुस्तक के किसी विचार से असहमति रखना अलग बात है और पूरी पुस्तक को पढ़े बिना उसे खारिज करना अलग।

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सिर्फ नई तकनीक नहीं, बल्कि जीवनशैली, उपभोग और विकास की सोच में बदलाव भी जरूरी

जलवायु परिवर्तन शायद मानवता द्वारा स्वयं के लिए पैदा की गई सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है। तापमान बढ़ रहा है, बारिश का स्वरूप बदल रहा है और प्राकृतिक आपदाओं के कारण दुनिया भर में नुकसान बढ़ता जा रहा है। सरकारें इससे जूझने के लिए नीतियां तो बना रही हैं, उद्योग नई तकनीक विकसित कर रहे हैं, सौर ऊर्जा बढ़ रही है और पेड़ भी लगाए जा रहे हैं। फिर भी ग्लोबल वार्मिंग लगातार बढ़ रही है। हम कहां गलती कर रहे हैं? शायद हमें केवल अधिक समाधान नहीं, बल्कि समस्या की गहरी समझ की भी जरूरत है।

इस लेख में अलग-अलग समय और पृष्ठभूमि के 4 लोगों द्वारा दिए गए ये 4 विचार यह समझने में हमारी मदद कर सकते हैं कि हम कहां गलती कर रहे हैं और जलवायु सुधार की सही दिशा क्या हो सकती है। सऊदी अरब के पूर्व तेल मंत्री शेख अहमद जकी यमानी ने कहा था, 'पाषाण युग पत्थरों की कमी के कारण समाप्त नहीं हुआ था और तेल युग (पेट्रोल, डीजल, गैस का युग) भी दुनिया में तेल समाप्त होने से बहुत पहले खत्म हो जाएगा।'

जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में इसका अर्थ बहुत स्पष्ट है। हम कोयला, पेट्रोल और गैस के खत्म होने का इंतजार नहीं कर सकते। हमें उनका उपयोग इसलिए कम और अंतत: बंद करना है, क्योंकि उन्हें जलाने से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड पृथ्वी को लगातार गर्म कर रही है।

तेल युग को कब समाप्त करना चाहिए, उसके लिए बराक ओबामा ने एक प्रसिद्ध कथन दिया था- 'हम जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को महसूस करने वाली पहली पीढ़ी हैं और इसके बारे में कुछ कर सकने वाली आखिरी पीढ़ी।' यानी जलवायु परिवर्तन अब आने वाली पीढ़ियों की समस्या नहीं है, हमें अभी, इसी समय, प्राथमिकता के साथ इस पर कार्रवाई करनी होगी।

लेकिन तेजी से कार्रवाई करना भी पर्याप्त नहीं होगा, यदि हमारी सोच वही बनी रहे, जिसने समस्या पैदा की है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था, 'जिस चेतना के स्तर ने किसी समस्या को जन्म दिया है, उसी चेतना के स्तर से उस समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता।'

अधिक उत्पादन, अधिक उपभोग और लगातार आर्थिक वृद्धि को हमने प्रगति का आधार बनाया, जिसके कारण जलवायु परिवर्तन हुआ है। उनके अनुसार हम अधिक सौर ऊर्जा, अधिक इलेक्ट्रिक वाहन या नई तकनीक के सहारे इस समस्या को हल नहीं कर सकते। हमें अलग दिशा में सोचना पड़ेगा। सही दिशा के लिए गांधी जी का एक प्रसिद्ध विचार शायद सबसे महत्वपूर्ण है, 'पृथ्वी पर हर व्यक्ति की आवश्यकता पूरी करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन हर व्यक्ति के लालच के लिए नहीं।' पृथ्वी सीमित है। उसकी जमीन, पानी, जंगल, खनिज सीमित हैं। इसलिए हमारा उपभोग भी सीमित होना चाहिए। हमें जरूरत और लालच के अंतर को फिर से समझना होगा। बिजलीघर अपने लिए बिजली नहीं बनाते और कारखाने अपने लिए सामान नहीं बनाते। वे इसलिए बनाते हैं, क्योंकि हम भोजन, कपड़े, वाहन, मकान, मोबाइल, यात्रा और हजारों वस्तुओं व सेवाओं को खरीदते हैं और उसकी डिमांड करते हैं। चाहे गाड़ी हो, कपड़े हों, या लाइट या पंखा हो, हमारे हर उपभोग के पीछे प्रकृति को कुछ न कुछ नुकसान होता है। इन चार विचारों को साथ रखें तो जलवायु परिवर्तन का कारण और सुधार की दिशा स्पष्ट दिखाई देती है। जीवाश्म ईंधन से बाहर निकलें। अभी कार्रवाई करें। अपनी सोच बदलें। उपभोग सीमित करें। जीवन और व्यवस्थाओं को जहां संभव हो, छोटा, सरल और स्थानीय बनाएं। इसका अर्थ यह नहीं है कि विकास या आधुनिक सुविधाओं को पूरी तरह छोड़ दिया जाए। असली सवाल यह है कि विकास का स्वरूप कैसा हो और उसकी कीमत कौन चुकाए। यदि किसी सुविधा के लिए अत्यधिक प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करना पड़े, तो उसके वास्तविक पर्यावरणीय प्रभाव को भी समझना होगा। जलवायु संकट को केवल बिजली उत्पादन या परिवहन की समस्या मानना भी पर्याप्त नहीं है। खेती, निर्माण, उद्योग, कचरा प्रबंधन, जल उपयोग और शहरीकरण जैसे क्षेत्रों में होने वाली गतिविधियां भी पर्यावरण पर असर डालती हैं। इसलिए समाधान भी अलग-अलग क्षेत्रों में एक साथ तलाशने होंगे। हमारे रोजमर्रा के छोटे फैसले भी संसाधनों की मांग को प्रभावित करते हैं। जरूरत के अनुसार खरीदारी करना, वस्तुओं का लंबे समय तक इस्तेमाल करना, अनावश्यक बर्बादी कम करना और स्थानीय संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग पर्यावरणीय दबाव को कम करने की दिशा में कदम हो सकते हैं। इसी तरह शहरों की योजना में सार्वजनिक परिवहन, पैदल चलने की सुविधा, हरित क्षेत्र और जल संरक्षण को महत्व देना जरूरी है। इससे लोगों की जरूरतें पूरी करने के साथ-साथ संसाधनों और ऊर्जा की खपत को भी बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में स्वच्छ विकल्पों का विस्तार महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके साथ ऊर्जा की कुल मांग और उसके इस्तेमाल के तरीके पर भी विचार करना होगा। अक्सर पर्यावरणीय संकटों से अधिक प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए जलवायु समाधान में पर्यावरण के साथ सामाजिक और आर्थिक वास्तविकताओं को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।

सबसे बड़ी चुनौती शायद यही है कि सुविधा और जरूरत के बीच अंतर करना सीखें। हर नई वस्तु, हर नई यात्रा और हर बढ़ती खपत को प्रगति का प्रमाण मानने के बजाय यह पूछना जरूरी है कि क्या यह वास्तव में आवश्यक है और इसके लिए कितने प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल हो रहा है। यदि विकास का उद्देश्य केवल अधिक उत्पादन और अधिक खपत बन जाए, तो संसाधनों पर दबाव बढ़ना स्वाभाविक है। इसके विपरीत यदि विकास का लक्ष्य बेहतर जीवन, संसाधनों का न्यायपूर्ण उपयोग और प्रकृति के साथ संतुलन हो, तो प्रगति की परिभाषा भी बदल सकती है।

सीमा संग तलाक पर सोहेल ने तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड एक्टर और फिल्ममेकर सोहेल खान इन दिनों रियलिटी शो अलायंस में नजर आ रहे हैं. वहीं अब शो के हालिया एपिसोड में दो वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट्स की एंट्री हुई, जिनमें से एक सोहेल की एक्स वाइफ सीमा सजदेह थीं. काफी समय बाद दोनों एक-दूसरे से मिलकर खुश नजर आए. इसी दौरान सोहेल ने पहली बार अपने तलाक की वजह पर खुलकर बात की और उन्हें दोबारा मिलाने के लिए शो अलायंस का धन्यवाद भी किया.

सीमा सजदेह की एंट्री के बाद सोहेल खान ने अपनी शादी टूटने की जिम्मेदारी खुद पर ली. वहीं, सीमा ने भी उन्हें घर में अपना इकलौता साथी बताया. एपिसोड में सोहेल, सीमा के लिए ग्रीन टी बनाते भी नजर आए. इसी दौरान निखिल चिनप्पा ने सोहेल से सवाल किया, कहते हैं कि एक औरत घर बना भी सकती है और बिगाड़ भी सकती है. आपके मामले में इसकी जिम्मेदारी किसकी थी?अपने तलाक पर खुलकर बात करते हुए सोहेल खान ने कहा, उस समय मेरा काम ठीक नहीं चल रहा था, इसलिए मैं सही मानसिक स्थिति में नहीं था. मेरे व्यवहार की वजह से मैंने उस इंसान को खो दिया, जिससे मैं सचा प्यार करता था.

उन्होंने आगे कहा, सीमा मेरे दो खूबसूरत बचों की मां हैं. इसलिए प्यार से भी बढ़कर मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है. ये शो हमेशा मेरे लिए खास रहेगा. भले ही हम अलग हो चुके हैं, लेकिन इस शो ने हमें फिर से साथ बैठकर बात करने और एक-दूसरे से दिल की बात शेयर करने का मौका दिया. हमारे रिश्ते में जो कड़ी कहीं टूट गई थी, उसे इस शो ने फिर से जोड़ने का काम किया.बाद में सीमा सजदेह ने बताया कि उनका छोटा बेटा योहान इस शो में उन्हें सपोर्ट कर रहा है, जबकि बड़ा बेटा निर्वाण चाहता है कि सोहेल खान ये शो जीतें.

तलाक के बाद भी सीमा के पास है घर की चाबी

वहीं, जैद दरबार के साथ बातचीत में सोहेल ने खुलासा किया कि उनके दोनों बेटे उनके साथ रहते हैं, जबकि सीमा हफ्ते में तीन बार बचों से मिलने उनके घर आती हैं. सोहेल ने यह भी बताया कि तलाक के बाद भी सीमा के पास आज भी उनके घर की एक चाबी है.

सोहेल खान और सीमा सजदेह ने साल 1998 में घर से भागकर शादी की थी. दोनों ने पहले आर्य समाज रीति-रिवाज से शादी की और इसके बाद निकाह भी किया. इस कपल के दो बेटे हैं, निर्वाण और योहान.

शादी के 24 साल बाद, साल 2022 में दोनों ने अलग होने का फैसला लिया. हालांकि तलाक के बाद भी सोहेल और सीमा मिलकर अपने बचों की परवरिश कर रहे हैं. इतना ही नहीं, सीमा आज भी अक्सर खान परिवार के फैमिली इवेंट्स में नजर आती हैं।

फिल्मों से दूर रहकर भी सोफी कमा रही है मोटा पैसा, अरबपतियों की शादी और फंक्शन करती हैं होस्ट

बॉलीवुड की कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं जिन्होंने एक वक्त पर इंडस्ट्री से दूरी बना ली. कोई बिजनेसवुमेन बन गई तो कोई हाउस वाइफ बनकर अपना गुजारा कर रही हैं. आज ऐसी ही एक एक्ट्रेस की बात करने जा रहे हैं. बॉलीवुड की चकाचौंध लोगों को काफी आकर्षित करती है. यही वजह है कि हर दिन सैकड़ों लड़कियां मुंबई आती हैं. कुछ फिल्मी पर्दे पर छा जाती हैं तो कुछ चुनिंदा फिल्मों के बाद इंडस्ट्री से दूर हो जाती हैं. उन्हीं में से एक सोफी चौधरी भी हैं. सोफी चौधरी का जन्म 8 फरवरी को मैनचेस्टर इंग्लैंड में हुआ था. वो बचपन से मल्टीटैलेंटेड रही हैं. एक्ट्रेस के पिता ने इटली की फेमस एक्ट्रेस सोफिया लॉरेन से प्रभावित होकर बेटी का नाम सोफी रखा था.न से ही सोफी को सिंगिंग से प्यार था. महज 12 साल की उम्र में उनकी आवाज की प्रतिभा को पहचान मिली.सोफी ने 90 के दशक में सजन मैं नाचूंगी का रीमेक किया. इस गाना को खूब पसंद किया गया. क्योंकि गाने में पुराने लिरिक्स के साथ पॉप म्यूजिक का तड़का लगाया गया था.इसके बाद उन्होंने सोफी एंड डॉक्टर लव, बेबी लव, एक परदेसी मेरा दिल ले गया और साउंड ऑफ सोफी जैसे एल्बम रिलीज किए.एक्ट्रेस को शादी नंबर 1, प्यार के साइड इफएक्ट्स, हे बेबी और वन्स अपॉन अ टाइम इन मुंबई दोबारा में देखा गया. इन फिल्मों से एक्ट्रेस को पहचान मिली, लेकिन वो लीड एक्ट्रेस बनने से चूक गईं.आज के दौर में सोफी अपने म्यूजिक एल्बम की वजह से काफी पॉपुलर हो चुकी हैं. उनके कई बैक टू बैक गाने रिलीज हो रहे हैं. इसके अलावा सोफी अरबपतियों की शादी और फंक्शन को भी होस्ट करती हैं. साथ ही मोटा पैसा भी छापती हैं।

लापता लेडीज फेम नितांशी के हाथ लगी बड़े फिल्ममेकर की पिक्चर

किरण राव के डायरेक्शन में बनी 'लापता लेडीज' साल 2023 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म ने नितांशी गोयल को रातोंरात स्टार बना दिया था. लापता लेडीज के लिए नितांशी गोयल को बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का अवॉर्ड भी मिला था. इस फिल्म से पहचान बनाने वाली नितांशी गोयल के पास 2026 में कई फिल्में लाइनअप में हैं. बीते दिनों खबर आई थी कि नितांशी जल्द ही साजिद खान की हॉरर फिल्म 'हंड्रेड' में नजर आने वाली हैं, जिसमें उनके अपोजिट गोविंद के बेटे यशवर्धन आहूजा नजर आएंगे. इसी बीच, नितांशी गोयल के एक और हॉरर फिल्म हाथ लग गई है, जो धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनने जा रही है.

लापता लेडीज फेम निंताशी गोयल की कई बड़ी फिल्में कतार में हैं. इनमें साजिद खान की हॉरर फिल्म 'हंड्रेड', अहान शेट्टी के साथ एक अनटाइटल्ड फिल्म और आनंद देवरकोंडा के साथ एक पैन-इंडिया फिल्म शामिल हैं. नितांशी गोयल की इन्हीं फिल्मों की लिस्ट में एक और फिल्म हॉरर मूवी शामिल हो गई है.मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, धर्मा प्रोडक्शंस इस बार कुछ अलग करने की तैयारी में है और हॉरर जॉनर की फिल्म बनाने जा रहा है, जिसमें दो यंग स्टार्स को चुन लिया गया है. धर्मा प्रोडक्शंस के इस नए प्रोजेक्ट में नितांशी गोयल और मिस वर्ल्ड इंडिया सिनी शेट्टी लीड रोल में नजर आने वाली हैं. नितांशी गोयल का फिल्ममेकर करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले ये पहला प्रोजेक्ट होने वाला है.बॉक्स ऑफिस वर्ल्डवाइड ने अपनी एक रिपोर्ट में सोर्स के हवाले से बताया कि फिल्म की शूटिंग इस महीने शुरू होने वाली है. मेकर्स ने एक टाइट, कंट्रोल्ड शेड्यूल तय किया है. सिनी शेट्टी इस फिल्म में नितांशी गोयल संग स्क्रीन स्पेस शेयर करती हुई नजर आएंगी. धर्मा प्रोडक्शन ने फिल्म को डायरेक्ट करने के लिए वेब सीरीज'अनदेखी और कैंडी' के लिए मशहूर डायरेक्टर आशीष आर शुक्ला को चुना है। फिल्म की शूटिंग इस महीने शुरू होने वाली है और उत्तराखंड में 35 दिनों का शूटिंग शेड्यूल फाइनल किया है।

अपने किरदार को जीने लगी हूं: कनिका

टीवी के पॉपुलर सीरियल %गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा% की कनिका मान एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं, लेकिन इस बार वह आम इंसान बनकर नहीं, बल्कि ड्रैगन बनकर फैंस का दिल जीतने वाली हैं। अब %नागिन 7% में अपनी एंट्री और ड्रैगन के किरदार पर कनिका मान ने कहा कि ड्रैगन का किरदार निभाना उनके लिए सपने जैसा है।कनिका मान ने आईएएनएस के साथ खास बातचीत में अपने ड्रैगन के खूंखार किरदार पर बात करते हुए कहा, सीरियल में बीते 12 एपिसोड से ड्रैगन दिखाया जा रहा है और दर्शक पहले से ही उससे कनेक्टेड हैं, लेकिन बस अब नया चेहरा मेरा होने वाला है। मुझे उम्मीद है कि मैं ड्रैगन का किरदार अच्छे से निभा पाऊंगी। ड्रैगन की दुनिया अलग है, लेकिन ड्रैगन बनने से पहले किरदार राधिका के जीवन में कई उतार-चढ़ाव हैं, जो दर्शकों को कनेक्ट करने की कोशिश करेगी। मुझे ड्रैगन के लुक को लेकर सबसे ज्यादा एक्साइटमेंट है क्योंकि वह अलग दुनिया से आता है और मैंने आज तक ऐसा किरदार नहीं निभाया है।उन्होंने आगे कहा, राधिका का किरदार कुछ-कुछ ग्रे शेड्स जैसा है। उसे गुस्सा आता है तो वो गुस्सा करती है और अगर खुश है तो खुश हो जाती है, लेकिन उसे सीमा पार करना भी आता है और यही वजह है कि किरदार थोड़ा निगेटिव हो जाता है, लेकिन मुझे इस किरदार को निभाने में मजा आ रहा है।

ब्लैक लहंगे में जाह्नवी ने गिराई बिजली हर अदा पर दिल हार बैठे फैंस

जाह्नवी कपूर ने ब्लैक एम्ब्रॉयडरी लहंगे में अपना रॉयल अंदाज दिखाया हैं. हैवी ब्लाउज, स्टाइलिश दुपट्टा और ज्वेलरी उनके पूरे लुक को अट्रैक्टिव बना रही है, जो सोशल मीडिया पर छा गई है.

एनएच-922 से जुड़ने वाली डुमरांव की सड़क पर उठे सवाल, निर्माण में अनियमितता के आरोपों के बीच जांच की मांग

एसडीएम को सैकड़ों हस्ताक्षरों वाला ज्ञापन सौंपकर गुणवत्ता, निर्माण सामग्री और स्वीकृत एस्टीमेट की जांच कराने की मांग

बक्सर (संवाददाता)। डुमरांव शहर से शक्ति द्वार होते हुए जंगलीनाथ शिव जी मार्ग के रास्ते एनएच-922 को जोड़ने वाली सड़क के निर्माण कार्य में कथित अनियमितता और गुणवत्ता में कमी का आरोप लगाते हुए स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। शुक्रवार को सामाजिक कार्यकर्ता अजय राय के नेतृत्व में स्थानीय लोगों एवं युवाओं ने सड़क पर उतरकर निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाए और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह सड़क डुमरांव शहर को एनएच-922 से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क है। इस मार्ग से प्रतिदिन बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहनों के साथ स्थानीय लोगों का आवागमन होता है। ऐसे में सड़क का मजबूत एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण होना आवश्यक है। लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का समुचित पालन नहीं किया जा रहा है तथा निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। लोगों ने कहा कि यदि सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया गया और निर्माण के दौरान मानकों का पालन नहीं हुआ तो भारी वाहनों के लगातार आवागमन से सड़क के जल्द क्षतिग्रस्त होने की आशंका है। इससे सरकारी राशि खर्च होने के बावजूद लोगों को लंबे समय तक बेहतर सड़क सुविधा का लाभ नहीं मिल पाएगा। स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराने तथा सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री के नमूने लेकर उसकी गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की है।

स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण कार्य के दौरान आवश्यक सूचना बोर्ड नहीं लगाए जाने को लेकर भी सवाल उठाया। लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी आम लोगों के लिए निर्माण स्थल पर प्रदर्शित की जानी चाहिए, ताकि लोगों को योजना की लागत, निर्माण एजेंसी, कार्य की अवधि एवं अन्य आवश्यक जानकारी मिल सके। लोगों ने मांग की कि निर्माण स्थल पर नियमानुसार आवश्यक बोर्ड लगाया जाए और सड़क निर्माण से संबंधित सभी महत्वपूर्ण जानकारी सार्वजनिक की जाए।

आक्रोशित लोगों ने सड़क निर्माण के स्वीकृत एस्टीमेट को भी सार्वजनिक करने की मांग की है। उनका कहना है कि सड़क निर्माण में कितनी राशि स्वीकृत हुई है, सड़क की लंबाई एवं चौड़ाई कितनी निर्धारित है, किस गुणवत्ता की सामग्री का इस्तेमाल किया जाना है और निर्माण कार्य की निर्धारित समय-सीमा क्या है, इसकी जानकारी आम लोगों को मिलनी चाहिए। अजय राय ने कहा कि विकास कार्य जनता के पैसे से होते हैं और किसी भी सरकारी निर्माण कार्य में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सड़क का निर्माण मजबूत एवं निर्धारित मानकों के अनुरूप होना चाहिए, ताकि लोगों को लंबे समय तक इसका लाभ मिल सके। उन्होंने संबंधित विभाग से निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराने, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की जांच करने तथा एस्टीमेट के अनुरूप कार्य हो रहा है या नहीं, इसकी जांच कराने की मांग की।

मामले को लेकर अजय राय के नेतृत्व में युवाओं का एक प्रतिनिधिमंडल डुमरांव अनुमंडल पदाधिकारी राजीव कुमार से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने एसडीएम को सैकड़ो लोगों के हस्ताक्षर के साथ ज्ञापन सौंपकर सड़क निर्माण में कथित अनियमितता की जांच कराने की मांग की। ज्ञापन में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, इस्तेमाल की जा रही सामग्री, निर्माण प्रक्रिया तथा स्वीकृत एस्टीमेट के अनुरूप कार्य होने की जांच कराने का आग्रह किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि जांच के दौरान सड़क निर्माण में इस्तेमाल की जा रही सामग्री के नमूने लेकर उसकी गुणवत्ता की जांच कराई जाए तथा यदि निर्माण कार्य में निर्धारित मानकों की अनदेखी पाई जाती है तो संबंधित एजेंसी या जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

एसडीएम राजीव कुमार ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को गंभीरता से सुना और मामले में संबंधित पदाधिकारी को जांच कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्माण कार्य निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप कराया जाना आवश्यक है। एसडीएम के आश्वासन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने उम्मीद जताई कि सड़क निर्माण कार्य की निष्पक्ष जांच होगी और यदि कहीं भी अनियमितता पाई जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी विकास कार्य को रोकना नहीं, बल्कि सड़क का गुणवत्तापूर्ण एवं टिकाऊ निर्माण सुनिश्चित कराना है। लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य सही तरीके से होगा तो इसका लाभ डुमरांव शहर सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को लंबे समय तक मिलेगा। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता प्रशांत ठाकुर, लव कुमार, विकास सिंह, दीपक कुमार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहें।

संक्षिप्त समाचार

खेत में किसान को लगा करंट, अस्पताल पहुंचने से पहले मौत

ब्रह्मपुर (संवाददाता)। बक्सर जिले के ब्रह्मपुर प्रखंड क्षेत्र में खेत की सिंचाई करने के दौरान बिजली का करंट लगने से 63 वर्षीय किसान उदित यादव की मौत हो गई। घटना गुरुवार की शाम बंसवर गांव की बताई जा रही है। हादसे की खबर मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और किसान को करंट से अलग कर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ब्रह्मपुर-रघुनाथपुर ले जाने लगे, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, बंसवर गांव निवासी उदित यादव गुरुवार की शाम करीब साढ़े सात बजे अपने घर से खेत की ओर जा रहे थे। खेत में उस समय पटवन का काम चल रहा था। इसी दौरान वह बिजली के करंट की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों और स्थानीय ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने तत्काल उदित यादव को बिजली के संपर्क से अलग किया और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाने की कोशिश की।

अस्पताल पहुंचने से पहले तोड़ा दम

स्थानीय लोगों ने गंभीर हालत में उदित यादव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ब्रह्मपुर-रघुनाथपुर ले जाने के लिए प्रयास किया। हालांकि, अस्पताल पहुंचने के दौरान ही उनकी मौत हो गई। इसके बाद घटना की जानकारी पुलिस प्रशासन को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की आवश्यक प्रक्रिया शुरू की। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हादसे के बाद परिवार में मातम

उदित यादव की मौत की खबर मिलते ही बंसवर गांव में शोक का माहौल बन गया। हादसे से परिवार के लोगों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीण भी घटना से गमगीन हैं। खेत में सिंचाई के दौरान हुए इस हादसे ने परिवार के साथ-साथ गांव के लोगों को भी झकझोर दिया है। पुलिस की ओर से मामले में आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की गई है।

टूटे बिजली तार ने बुझा दिया घर का इकलौता चिराग, मचा कोहराम

चक्की (संवाददाता)। बिजली के टूटे तार की चपेट में आने से चक्की सिमरी थाना क्षेत्र के चक्की गांव में 16 वर्षीय किशोर अंगद की मौत हो गई। शुक्रवार की शाम हुए इस दर्दनाक हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। अंगद अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसकी अचानक मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, शुक्रवार को अपराह्न करीब चार बजे अंगद मवेशियों के लिए चारा लाने घर से बाहर निकला था। इसी दौरान वह टूटे हुए बिजली के तार के संपर्क में आ गया। करंट लगते ही वह गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही उसकी हालत बेहद गंभीर हो गई। अंगद की चीख सुनकर घर के लोग तुरंत बाहर निकले। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों की मदद से अंगद को तत्काल चक्की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया।

परिजन और ग्रामीण अंगद को लेकर चक्की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर की मौत की खबर सुनते ही परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। अंगद के माता-पिता को बेटे की मौत का गहरा सदमा लगा। उसकी बहन भी रो-रोकर बेहाल हो गई। जिस बेटे से परिवार को भविष्य की उम्मीदें थीं, उसकी महज 16 वर्ष की उम्र में हुई मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया।

एसपी शुभम आर्य ने किया चार पुलिस पदाधिकारियों का तबादला

बक्सर (संवाददाता)। पुलिस कप्तान शुभम आर्य ने चार पुलिस पदाधिकारियों का तबादला कर दिया है। इसमें तीन थानाध्यक्ष भी शामिल हैं। देर रात जारी हुए आदेश के अनुसार बतौर इटाढ़ी थानाध्यक्ष दो वर्ष का समय पूरा कर चुके सोनू कुमार अब औद्योगिक के थानाध्यक्ष होंगे। दूसरी तरफ महिला थाना में अपर थानाध्यक्ष के पद पर तैनात पूजा कुमारी अब इटाढ़ी की नई थानाध्यक्ष होंगी। दूसरी तरफ डुमरांव अनुमंडल के तिलकराय हाता कि प्रभारी पूजा कुमारी को पुलिस कार्यालय में तैनात किया गया है। उनकी जगह लेंगे गंगा ब्रिज थाना के प्रभारी रोहित कुमार। इन सभी को आदेश जारी होने के चौबीस घंटे के अंदर पदभार ग्रहण करने का निर्देश भी दिया गया है। प्रशासनिक फेरबदल की यह कार्रवाई कई मामलों में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सूचना के अनुसार औद्योगिक के वर्तमान थानाध्यक्ष का जिले से बाहर तबादला हुआ है। इस वजह से उनकी तैनाती का जिक्र आदेश में नहीं है। पत्र में कहा गया है। यह सभी पुलिस अवर निरीक्षक स्तर के पदाधिकारी पदभार ग्रहण करने के उपरांत तत्काल अपना प्रतिवेदन पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जमा करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय गोष्ठी में प्रस्तुत किया गया जनजातीय ज्ञान पर शोध पत्र

बक्सर (संवाददाता)। भारत में स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों के पुनरोद्धार, जनजातीय विरासत, सांस्कृतिक निरंतरता व समाजिक परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। इसमें जिले के शोधार्थियों ने सक्रीय सहभागिता निभाते हुए अपने-अपने शोध पत्रों का प्रस्तुतिकरण किया। 11 एवं 12 सितंबर को आयोजित की गई संगोष्ठी का आयोजन जनजातीय अध्ययन केन्द्र, ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज, प्रयागराज द्वारा किया गया। कार्यक्रम ऑफलाइन और ऑनलाइन सम्पन्न हुआ। शोधार्थी अविनाश कुमार, विशाल कुमार, विश्वकर्मा, राजू व निहाल ने शोधार्थी के रूप में अपनी सहभागिता निभाई।

रेलवे गुमटी संख्या 70 बी-टी खुलने पर अति पिछड़ा दलित स्वाभिमान संघर्ष मोर्चा ने जताया आभार, ओवरब्रिज की मरम्मत में तेजी से करने की मांग

बक्सर (संवाददाता)।

अति पिछड़ा दलित स्वाभिमान संघर्ष मोर्चा के जिला संयोजक सरोज राजभर ने शुक्रवार को वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व मध्य रेलवे, दानापुर के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि बीते 2 जुलाई को रेलवे के वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक को दिए गए पत्र तथा इसके बाद किए गए धरना-प्रदर्शन के परिणामस्वरूप रेलवे गुमटी संपर्क संख्या 70 बी-टी को अस्थायी रूप से खोल दिया गया है।

सरोज राजभर ने बताया कि गुमटी खोले जाने के संबंध में मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, वाणिज्य विभाग, दानापुर की ओर से पत्र भी प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि गुमटी का अस्थायी रूप से खोला जाना क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही परेशानी को देखते हुए महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि अति पिछड़ा दलित स्वाभिमान संघर्ष मोर्चा ने जनता के साथ मिलकर रेलवे गुमटी को खोलने के लिए लगातार आवाज उठाई और आंदोलन किया। उनके अनुसार, गुमटी खोलने का निर्णय जनता के सामूहिक प्रयास और आंदोलन का परिणाम है।

उन्होंने रेलवे प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे आसपास के लोगों, विद्यार्थियों, मरीजों और दैनिक आवागमन करने वाले लोगों को राहत मिलेगी।

सरोज राजभर ने कहा कि अब मोर्चा का अगला प्रयास करीब 26 करोड़ रुपये की लागत से बने ओवरब्रिज की मरम्मत को लेकर रहेगा। उन्होंने बताया कि ओवरब्रिज करीब तीन महीने पूर्व क्षतिग्रस्त हुआ था और फिलहाल उसकी मरम्मत का कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि ओवरब्रिज की मरम्मत का कार्य मजबूत और गुणवत्तापूर्ण तरीके से जल्द से जल्द पूरा कराया जाना आवश्यक है, ताकि भविष्य में आम लोगों को किसी तरह की परेशानी न हो। इस संबंध में जिला पदाधिकारी से निरीक्षण कराने तथा मरम्मत कार्य की गुणवत्ता और प्रगति पर ध्यान देने का आग्रह किया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि ओवरब्रिज की मरम्मत में अनावश्यक विलंब होता है या कार्य अपेक्षित गुणवत्ता के अनुरूप नहीं होता है, तो जनहित में आंदोलन भी किया जाएगा। मोर्चा का उद्देश्य क्षेत्र की जनता के आवागमन को सुगम बनाना और सुरक्षित एवं स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित कराना है। इस मौके पर मोर्चा के मीडिया प्रभारी राम इकबाल ठाकुर, दीनानाथ ठाकुर, कृष्णावती देवी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

आदिशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की भव्य रथ शोभायात्रा में शामिल हुए हजारों श्रद्धालु

बक्सर (संवाददाता)।

जिला मुख्यालय स्थित बड़ी मठिया-रामरेखा घाट क्षेत्र में लोहार कल्याण समिति के तत्वावधान में देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना एवं भव्य रथ शोभायात्रा का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। गुरुवार को समिति की ओर से भगवान विश्वकर्मा की पूजा वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ संपन्न कराई गई। पूजा कार्यक्रम की अगुआई समिति के जिला अध्यक्ष सत्येंद्र कुमार शर्मा ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन कार्यवाहक जिला महासचिव सुदर्शन प्रसाद शर्मा ने किया। पूजा उपासक विष्णु कुमार शर्मा ने धार्मिक विधि-विधान के साथ पूजा संपन्न कराई।

पूजा-अर्चना के बाद शुक्रवार को भगवान विश्वकर्मा के रथ की भव्य नगर भ्रमण शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ पूर्व विधायक मुन्ना तिवारी ने किया। रथ यात्रा में हाथी, घोड़े, ऊंट, चार पहिया वाहन और बड़ी संख्या में बाइक शामिल रहीं।

गाजे-बाजे के बीच हजारों श्रद्धालु भगवान विश्वकर्मा के जयकारे लगाते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभायात्रा पी.पी. रोड से प्रारंभ होकर मुनीम चौक, मेन रोड, सेंडिगेट गोलंबर, चरित्रवन, नया बाजार एवं स्टेशन रोड होते हुए पुनः रामरेखा घाट पहुंची, जहां रथ शोभायात्रा का समापन हुआ। पूरे नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला और जगह-जगह भगवान विश्वकर्मा के जयकारे गूंजते रहे।

डुमरांव के लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव की नई पुस्तक 'मोदी युग का भारत' का भव्य लोकार्पण, शिक्षा मंत्री ने कृति की सराहना

डुमरांव के लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव की नई पुस्तक 'मोदी युग का भारत' का भव्य लोकार्पण, शिक्षा मंत्री ने कृति की सराहना

बक्सर (संवाददाता)। डुमरांव के प्रख्यात लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव ने अपनी नई पुस्तक 'मोदी युग का भारत' के माध्यम से एक बार फिर साहित्य के क्षेत्र में जिले का नाम रोशन किया है। गुरुवार को पटना के विकास भवन स्थित मदन मोहन सभागार में उनकी नई पुस्तक का भव्य लोकार्पण किया गया। बिहार के शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने पुस्तक का लोकार्पण करते हुए लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव को उनकी नई कृति के लिए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर शिक्षा विभाग के सचिव श्री राजीव रौशन, प्राथमिक शिक्षा निदेशक श्री कुमार निशांत विवेक सहित शिक्षा जगत से जुड़े कई शिक्षाविद् और गणमान्य लोग मौजूद रहे। पुस्तक के लोकार्पण कार्यक्रम में साहित्य, शिक्षा और समकालीन विषयों में रुचि रखने वाले लोगों की मौजूदगी रही। 'मोदी युग का भारत' पुस्तक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के पिछले 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, उनके नेतृत्व में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और ऐतिहासिक कार्यों को एक स्थान पर प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक को समकालीन भारत की विकास यात्रा और उससे जुड़े विभिन्न पहलुओं को समझने के संदर्भ में तैयार किया गया है। पुस्तक की सराहना करते हुए शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने इसे महत्वपूर्ण कृति बताया। उन्होंने कहा कि पुस्तक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लंबे समय की सार्वजनिक सेवा, उनके नेतृत्व में संचालित योजनाओं और विभिन्न कार्यों को एक जगह समेटने का प्रयास किया गया है। उनके अनुसार, यह पुस्तक लोगों को देश की विकास यात्रा को समझने में मदद करेगी और आगे की राह के बारे में सोचने का अवसर देगी।

लोकार्पण समारोह में लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव ने पुस्तक के उद्देश्य और इसकी उपयोगिता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुस्तक को इस तरह प्रस्तुत किया गया है कि राजनीतिक और सामाजिक विषयों में रुचि रखने वाले पाठकों के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह उपयोगी हो सके। लेखक के अनुसार, पुस्तक में

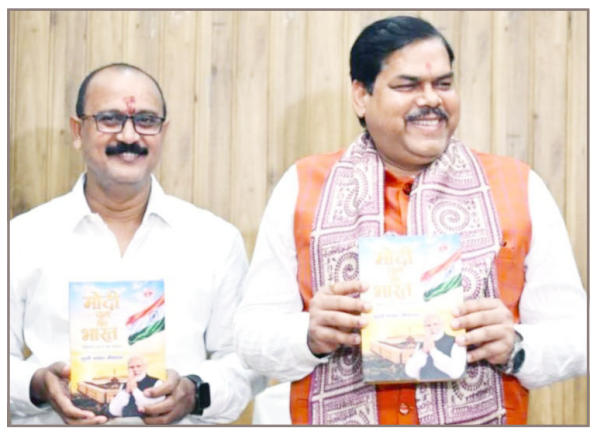

प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन, देशहित में लिए गए निर्णयों और विभिन्न योजनाओं से संबंधित विषयों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है। इससे विद्यार्थियों और सामान्य पाठकों के लिए विषयों को समझना आसान बनाने का प्रयास किया गया है। पुस्तक को केवल सामान्य पाठकों तक सीमित नहीं रखा गया है। इसे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों, युवा पीढ़ी और शोधार्थियों के लिए भी उपयोगी संदर्भ सामग्री के रूप में प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में समकालीन भारत से जुड़े विषयों को एक साथ उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

दिल्ली के पैनग्राम पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित 'मोदी युग का भारत' में सार्वजनिक जीवन, नीतियों, योजनाओं और देशहित से जुड़े निर्णयों पर सामग्री दी गई है। यही वजह है कि पुस्तक को राजनीतिक और सामाजिक विषयों का अध्ययन करने वाले पाठकों के लिए भी उपयोगी बताया गया है। मुरली मनोहर श्रीवास्तव इससे पहले भी अपनी लेखनी के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके हैं। डुमरांव की धरती से जुड़े भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां की जीवनी पर उनका लेखन उल्लेखनीय रहा है। इसके अलावा उन्होंने 'वीर कुंवर सिंह की प्रेमकथा', 'विकास पुरुष' और 'वंदेमातरम्' जैसी चर्चित कृतियां भी लिखी हैं। इन रचनाओं के माध्यम से उन्होंने इतिहास, व्यक्तित्व और समकालीन विषयों को पाठकों के सामने रखने का प्रयास किया है। उनकी नई पुस्तक 'मोदी युग का भारत' भी इसी साहित्यिक यात्रा की एक नई कड़ी के रूप में सामने आई है।

नई पुस्तक के लोकार्पण की जानकारी बक्सर जिले में पहुंचने के बाद साहित्यकारों, प्रबुद्धजनों और आम लोगों के बीच खुशी का माहौल है। विशेष रूप से डुमरांव के लोगों के लिए यह उपलब्धि गौरव का विषय मानी जा रही है। स्थानीय स्तर पर साहित्य के क्षेत्र में सक्रिय लेखक की नई कृति के राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आने से साहित्यिक गतिविधियों को लेकर भी उत्साह देखने को मिल रहा है। पुस्तक के लोकार्पण समारोह में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और शिक्षाविदों की मौजूदगी ने कार्यक्रम को महत्वपूर्ण बनाया। शिक्षा मंत्री द्वारा लेखक को बधाई दिए जाने के साथ पुस्तक की उपयोगिता पर भी चर्चा हुई।

'मोदी युग का भारत' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन और पिछले 25 वर्षों से जुड़े विभिन्न पहलुओं को एक साथ प्रस्तुत किया गया है। पुस्तक में जनकल्याणकारी योजनाओं और ऐतिहासिक कार्यों का उल्लेख करते हुए देश की विकास यात्रा को समझने की सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

लेखक ने इसे विशेष रूप से उन पाठकों और विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बनाने का प्रयास किया है, जो समकालीन भारत के राजनीतिक और सामाजिक विषयों को सरल भाषा में समझना चाहते हैं। शोधार्थियों के लिए भी पुस्तक को संदर्भ सामग्री के रूप में उपयोगी बताया गया है।

मुरली मनोहर श्रीवास्तव की नई पुस्तक के लोकार्पण से डुमरांव की साहित्यिक पहचान को एक बार फिर व्यापक चर्चा मिली है। इससे पहले भी उनकी विभिन्न कृतियां पाठकों के बीच चर्चित रही हैं। अब 'मोदी युग का भारत' के प्रकाशन और लोकार्पण के बाद उनकी साहित्यिक यात्रा में एक और कड़ी जुड़ गई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480